।। श्री हरि शरणम् ।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 12 अंक - 303

रायसेन
गुरुवार, 1मई 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

चारधाम यात्रा का श्रीगणेश हुआ

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा का आज श्रीगणेश हो गया है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। पीएम मोदी के नाम से धाम में पहली पूजा की गई। वहीं सीएम धामी ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान पूरा धाम हर-हर गंगे के जयकारों से गूंज उठा। उधर यमुनोत्री धाम जाने के लिए भक्तों का रेला निकलने लगा है अक्षय तृतीय के पावन पर्व पर गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही आज उत्तराखंड में चारधाम यात्रा का आगाज हो गया है।

केबिनेट में बड़ा फैसला, विपक्ष ने भी किया समर्थन, कहा- समय सीमा बताएं सरकार

देश में आजादी के बाद पहली बार होगी जाति जनगणना, श्रेय लेने की होड़

नईदिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का एलान कर दिया है। यह जनगणना मूल जनगणना के साथ ही कराई जाएगी। कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्रिमंडल के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर पूर्ववर्ती सरकारों ने हमेशा से ही जातिगत जनगणना का विरोध किया है। आजादी के बाद से ही जाति को जनगणना की किसी भी प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया कि जातिगत जनगणना को कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। इसेक बाद एक मंत्रीमंडल समूह का गठन किया गया। इसमें ज्यादातर राजनीतिक दलों ने जातिगत जनगणना की संस्तुति की। इसके बावजूद भी कांग्रेस ने महज खानापूर्ति का ही काम किया। उसने महज सर्वे कराना ही उचित समझा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है। यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण सुचारू रूप से किया है, जबकि राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर-पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं।

ऐसे सर्वेक्षणों ने समाज में भ्रांति फैली है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा सामाजिक ताना-बाना राजनीति के दबाव में न आए। हमें जाति जनगणना के लिए एक मंच तैयार करना चाहिए।

प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर होती है जनगणना

जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी, लेकिन 2021 में कोरोना महामारी के कारण जनगणना टल गई थी। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है। अभी तक जनगणना की नई तारीख का आधिकारिक तौर पर एलान भी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जनगणना के आंकड़े 2026 में जारी किए जाएंगे। इससे भविष्य में जनगणना का चक्र बदल जाएगा। जैसे 2025-2035 और फिर 2035 से 2045।

जातिगत जनगणना पूरी पारदर्शिता के साथ होगी-शिवराज सिंह चौहान

भोपाल ■ विप्र

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से मुखातिब हुए। मीडिया से चर्चा की शुरुआत करते हुए पूर्व सीएम ने सबसे पहले प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा के निधन पर कहा, नरेंद्र को याद करते हुए मन भरा हुआ है। इसके बाद चर्चा को आगे बढ़ाते हुए शिवराज ने कहा, आज मोदी के नेतृत्व में राजनीतिक मामलों की समिति ने जातिगत जनगणना करने के फैसले पर मुहर लगाई है। जातिगत जनगणना पूरी पारदर्शिता के साथ होगी। सभी वर्गों के आर्थिक और सामाजिक हितों को ध्यान में रखते हुए देश के हित में होगी। इससे पहले मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का फैसला किया था, तब समाज मे कहीं भी तनाव नहीं हुआ था। आज इस मामले को लेकर इंडी गठबंधन में श्रेय लेने की होड़ मची हुई है। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि इतने साल कांग्रेस की सरकारें रहीं तब जातिगत जनगणना क्यों नहीं कराई गई?

काका कालेलकर की रिपोर्ट किसने दबाई थी। पंडित नेहरू ने क्या किया था? इंदिरा जी ने क्या किया था? मंडल कमीशन की रिपोर्ट आई तब कांग्रेस का रुख क्या था? कांग्रेस ने हमेशा जातिगत जनगणना का विरोध किया। आपको याद होगा 1980 के दशक में जब मंडल कमीशन आया तब इंदिरा जी ने इसका विरोध किया था।

झूठ बोलना और भ्रम फैलाना यह कांग्रेस के डीएनए में है

1971 में गरीबी हटाओ का नारा दिया गया था। ना गरीबी हटी, ना गरीब। कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए ना जाने कितने झूठ बोले। जब विपक्ष में आए तो मांग करने लगे। राहुल गांधी आज श्रेय के लिए उछल कूद कर रहे हैं। पहले जवाब देना होगा कांग्रेस ने क्यों जातिगत जनगणना नहीं कराई। आज बड़ी-बड़ी बातें की जा रही थी। कांग्रेस का तो नकली चेहरा सामने आता है। असली सूरत छुपी रहती है।

भगवान परशुराम जयंती पर महू में हुआ परशुराम प्रकटोत्सव

भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव में बनेगा परशुराम धाम : मुख्यमंत्री यादव

इंदौर ■ विप्र

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर जिले में महू के निकट जानापाव सनातन संस्कृति के सात चिरंजीवियों में से एक भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली है। भारत भूमि पर यह एक अद्वितीय स्थल है। जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ा, भगवान परशुराम ने शस्त्र उठाए और अधर्मियों का समूल नाश कर दिया और सनातन संस्कृति की रक्षा की। उन्होंने सनातन समाज को निर्भय होकर जीने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भगवान परशुराम जयंती पर महू में परशुराम प्रकटोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली पर पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए कामना की। उन्होंने कहा कि जानापाव में परशुराम धाम विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री महिला बाल विकास मंत्रालय श्रीमती सावित्री ठाकुर, राज्यसभा सदस्य श्रीमती कविता पाटीदार, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, विधायक गोलू शुक्ला सहित साधु-संत तथा बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत भूमि पर देवी-देवताओं की कृपा है। प्रधानमंत्री श्री नरे?द्र मोदी के नेतृत्व में देश लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर है। केंद्र सरकार देश की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

1870 करोड़ की परियोजना और 277 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान), और नारी सशक्तिकरण के लिए 4 मिशन लॉन्च किए हैं। हितग्राहियों को कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधा लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र से राज्य सरकार प्रदेश को समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है। युवाओं को रोजगार, लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता, गरीब जरूरतमंदों के निःशुल्क उपचार की व्यवस्था है।

जनजातीय क्षेत्रों सहित प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं का जाल बिछाया है। हमारा लक्ष्य प्रत्येक खेत तक पानी पहुंचाकर प्रदेश के सिंचित रकबे को 55 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 1 लाख हेक्टेयर करना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसके लिए केन-बेतवा लिंक और पार्वती-चंबल-कालीसिंध लिंक परियोजनाओं की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि धार को पीएम मित्र पार्क की सौगात केन्द्र से मिली है। यहां 2100 करोड़ से औद्योगिक पार्क आकार लेगा और लगभग 3 लाख रोजगार सृजित होंगे। धार अंचल के किसान कपास की खेती करेंगे तो उन्हें भी अधिक लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को धार के उमरबन में आयोजित सामूहिक विवाह एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य श्री सुमेर सिंह सोलंकी, विधायक श्री हीरालाल अलावा, विधायक श्री कालू सिंह ठाकुर ,श्रीमती रंजना बघेल, श्री चंचल पाटीदार, श्री सरदार सिंह सहित बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

अंतमना उवाच

जोशी मठ, जिला चमोली, उत्तराखंड : देव भूमि में अंतर्मना ससंघ का अष्टापद बद्रीनाथ धाम के लिए चल रहा निरंतर मंगल पद विहार

समय, सयंम और समता हमारे जीवन के मूल्य को बढ़ा देते हैं..!

मेडिसिन लेना है तो मेडिकल शॉप में जाओ। किराने का सामान खरीदना है तो किराना मर्चेन्ट में जाओ। वस्त्र खरीदना है तो गारमेंट्स शॉप में जाओ। धर्म, ईमान, सेवा, परोपकार, दया खरीदना है तो मन्दिर, मस्जिद, गिरजा, गुरुद्वारे में जाओ।

जो पाना या खरीदना है तो उसी शॉप पर जाना होगा। लेकिन समय की बलिहारिया - **आज मॉल का माहौल चल रहा है, जहाँ मेडिसिन, गारमेंट्स, किराना और रेस्टोरेंट सब सामान एक साथ मिल जाता है।**

शिक्षक ने बच्चों से पूछा -- दो और दो कितने होते हैं? **बच्चों ने जबाब दिया** -- चार। एक बच्चा चुपचाप सबके जवाब सुन रहा था। **शिक्षक ने पूछा** -- बेटा तुमने जबाब नहीं दिया। बच्चे ने कहा -- सर दो और दो पाँच होते हैं। शिक्षक और सभी बच्चे उसके जवाब सुनकर हँसने लगे। **शिक्षक ने कहा** -- बेटा 2 और 2 तो चार होते हैं। **बच्चा बोला** -- सर हमको गिनती नहीं आती।

बात बहुत गहरी और समझने की है। यही हमारी ज़िन्दगी के साथ हो रहा है। **दो और दो चार सब जान रहे हैं पर उन्हें जी कितने लोग रहे हैं?** जो पाना है उस दिशा में अपने कदमों को गति प्रदान करो --

- यदि सेवा, धर्म, दया, ईमान का जीवन जीना है तो देवालय की दिशा में चलना शुरू करो और शैतान, हैवान का जीवन जीना है तो मदिरालय की दिशा की ओर।
- राम जैसा जीवन जीना है तो सन्त और सत्संग की दिशा की तरफ बढ़ो। अनाचार, दुराचार का जीवन जीना है तो वेश्यालय की दिशा की ओर।

हर समय सावधान रहो..! मन का रावण कभी भी उद्वेलित, उत्तेजित हो सकता है। ज़िन्दगी में सम्मान दिलाने वाला भी समय है और साँप की तरह फुफकारने, डराने, डंसने वाला भी समय ही है। इसलिए -- **समय, समता और सयंम का सम्मान करो...!!!**

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

भारत-पाक के बीच तनाव बढ़ा, बॉर्डर पर रोके गए डिप्लोमैट्स

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के लिए आलोक जोशी पर भरोसा

नईदिल्ली ■ एजेंसी

पहलगाम में हुए हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इसी बीच बड़ी खबर आई है कि अटारी बॉर्डर पर डिप्लोमैट्स को रोका गया है। जानकारी के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच डिप्लोमेटिक तनाव बढ़ गया है। डिप्लोमैट्स को अटारी-वाघा बॉर्डर पर रोका गया है। यहां दोनों देशों द्वारा एक-दूसरे के डिप्लोमैट्स को रोका गया है और बाद में भेज दिया गया। वहीं बता दें कि कुल 22 डिप्लोमैट्स इस्लामाबाद से भारत लौट चुके हैं

पेगासस जांच कमेटी में भी रहे हैं पूर्व आईपीएस जोशी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की रणनीतिक बैठकों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड बड़ा फेरबदल किया गया है। सरकार की ओर से पुनर्गठित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सात सदस्य होंगे। बोर्ड में तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त अधिकारी होंगे। सरकार की ओर से पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) का नए सिरे से गठन किया है। इस बोर्ड में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं रॉ प्रमुख रहे आलोक जोशी को सौंपी गई है। केंद्र सरकार के भरोसे पर खरे उतरने वाले जोशी, 2012 में तत्कालीन डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में रॉ प्रमुख बने थे। उसके बाद केंद्र की मोदी सरकार ने उन्हें एनटीआरओ का चेयरमैन बनाया था। इतना ही नहीं, 2021 में जब देश में पेगासस का मामला उठा तो सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जांच के लिए एक कमेटी गठित की थी। उस जांच कमेटी के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस आरवी रवींद्रन को बनाया गया था। हरियाणा कैडर के पूर्व आईपीएस आलोक जोशी को कमेटी में बतौर सदस्य शामिल किया गया था।

कोलकाता के होटल में आग लगी, 15 की मौत

22 लोगों को बचाया, छत-खिड़की से कूदते नजर आए लोग, एसआईटी जांच करेगी

कोलकाता ■ एजेंसी

कोलकाता के फालपट्टी मछुआ इलाके में मंगलवार रात एक होटल में आग लगने से 15 लोगों की मौत और 13 लोग घायल हो गए। आग पर काबू पा लिया गया है। 22 लोगों को बचाया गया। पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में 2 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है। वहीं, 12 पुरूष मृतकों में से 8 की पहचान कर ली गई है। पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने बताया- आग ऋतुराज होटल में रात करीब 8:15 बजे लगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव का काम शुरू किया। अब तक 14 शव निकाले जा चुके हैं। हादसे की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि होटल की चौथी मंजिल पर लगे बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। घटनास्थल पर मौजूद एक शख्स ने बताया कि जान बचाने के लिए कई लोग होटल की छत और खिड़कियों से कूदते नजर आए।

पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया: हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। पीएम ने कहा, लोगों की मौत की खबर से बहुत दुखी हूं। यही कामना है, घायल जल्द ठीक हों। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50,000 की सहायता राशि दी जाएगी।

बंगाल भाजपा अध्यक्ष बोले- सरकार जरूरी सहायता पहुंचाए केंद्रीय मंत्री और बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हादसे पर दुख जताया। साथ ही कहा- मैं राज्य प्रशासन से आग्रह करता हूं कि प्रभावित लोगों को तुरंत बचाया जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। भविष्य में ऐसी घटना न हो, इसके लिए फायर सेफ्टी के सख्त नियम बनाए जाएं।

संक्षिप्त समाचार

सनावद ग्रामीण मंडल की कार्यकारणी घोषित

खरगोन। भारतीय जनता पार्टी खरगोन की जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे की सहमति देते हुवे सनावद ग्रामीण मंडल की 26 सदस्यीय कार्यकारणी घोषित करते हुवे कहा की पार्टी और संगठन के दिये गये दाइत्वों को पूर्ण ईमानदारी और लगन से निभाते रहे। जिला कार्यालय से विजय मोरे ने बताया की मंडल अध्यक्ष सोहन यादव ने मंडल की घोषणा करते हुवे उपाध्यक्ष बसंत पिंडारे, श्रीमती जयश्री चिंताराम भोमारे, लच्छु पाटील, अनिल शर्मा, ओम पटेल, अमलेन्द्रसिंह पंवार, महामंत्री राम मुकाती, कालु सोनी, मंत्री दीपक मालाकार, दिनेश यादव, सोहन पटेल, कैलाश तंवर, राजेश माली, महेश राठौड, कोषाध्यक्ष अश्विन खेड़े, सह कोषाध्यक्ष डॉ. मिथून औचट, कार्यालय मंत्री खुमानसिंह तोमर, सह कार्यालय मंत्री गणेश कर्मा, मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र बिरला, सोशल मीडिया प्रभारी रूपेश चौहान, सह सोशल मीडिया प्रभारी पन्नालाल रावत, आई.टी. प्रभारी हरिओमसिंह पंवार, सह आई.टी.प्रभारी राजेश बिरला, प्रचार मंत्री जगदीश वर्मा, मन की बात प्रभारी नंदकिशोर मालाकार, को बनाया गये है नवीन कार्यकरणी ने जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे का आभार जताते हुवे कहा की पार्टी ने जो भरोषा जताया है उसपे वे कायम रकते हुवे पार्टी और संगठन को मजबूत करने के लिए ईमानदारी और लगन से हर संभव प्रयास करेगे।

इंदौर में बालिका के दुष्कर्मी को दोहरी उम्रकैद

इंदौर। 10 साल की बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी को जिला कोर्ट ने दोहरी उम्र कैद से दंडित किया है। 33 वर्षीय आरोपी पूर्व में भी एक बालिका को अपनी हवस का शिकार बना चुका है। कोर्ट ने फैसले में तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, आरोपी ने 12 वर्ष से कम आयु की अवयस्क बालिका का अपहरण कर उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित किया। उसके द्वारा पूर्व में भी एक बालिका के साथ बलात्कार और अप्राकृतिक कृत्य किया गया था। अपराध की सजा भुगतने के बाद यदि आरोपी द्वारा किए गए ऐसे कृत्य पर उदारतापूर्वक विचार किया गया तो समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। मामला राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। 12 नवंबर 2022 को बालिका की मां ने राजेन्द्र नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके अनुसार वह और उसका पति मल्टी में चौकीदारी का काम करते हैं।

पुलिस के हाथ लगे दो लुटेरे, दो कट्टे बरामद

ग्वालियर। ससुराल में शादी समारोह में शामिल होकर वापस घर लौट रहे लेबर सप्लायर व उसके दस वर्षीय बेटे पर कट्टा अड़ाकर दो बदमाश महिला से सोने के जेवर लूट ले गए थे। घटना पांच दिन पहले की है। पुलिस ने देर रात दोनों लुटेरों को उस समय गिरफ्तार किया है। सीएसपी किरण अहिरवार ने बताया कि पकड़े गए दोनों बदमाश स्थानीय हैं, लेकिन उनका तरीका बेहद खतरनाक था। महिला के कान से झुमके इस तरह खींचे थे कि उसके कान तक फट गए थे। दोनों लुटेरों से दो कट्टे व 08 कारतूस बरामद हुए हैं। फिलहाल पुलिस दोनों को पुलिस रिमांड पर लेकर अन्य वारदातों में पूछताछ कर रही है।

अक्षय तृतीया पर सीएम ने 70 जोड़ों को दिया आशीर्वाद, खरगोन में 102 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

उज्जैन विवाह समारोह में पहुंचे सीएम, कहा- सामूहिक विवाह से फिजूलखर्ची कम होती है

उज्जैन/खरगोन ■ निसं

अक्षय तृतीया के मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन पहुंचे। सीएम ने यहां सबसे पहले दाऊद खेड़ी के सामूहिक विवाह समारोह में शिरकत की, जहां उन्होंने 70 जोड़ो को आशीर्वाद दिया। इस मौके पर सीएम ने कहा, बिना मुहूर्त का शुभ मुहूर्त, सभी मुहूर्तों में माना गया है, तो वह अक्षय तृतीया का है। हमारी सरकार नए जोड़े को 55 हजार रुपए दे रही है। सामूहिक विवाह में फिजूलखर्ची रुकती है और एक बार में सारा समाज इस आनंद में शामिल होता है। मैं सभी को बधाई देता हूं।

आतंकी हमले पर कहा- पीएम ने सेना को खुली छूट दी: पहलगाम आतंकी हमले पर सीएम बोले, देश के दुश्मनों के लिए पीएम ने सेना को खुली छूट दे रखी है। पीएम मोदी ने अपने नेतृत्व में देश को साधन-संपन्न बनाकर आगे बढ़ाया गया है। आज विश्व की सबसे सक्षम सेनाओं में भारत खड़ा हुआ है। भारत देश दुनिया की पांच महाशक्तियों में शामिल है और अपनी सीमा व नागरिकों की सुरक्षा करने में सक्षम है।

इससे पहले पतंजलि पीठ के योग गुरु स्वामी रामदेव सीएम से मुलाकात के लिए उनके निवास पर पहुंचे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, सीएम यादव ने सुबह प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक बैठक भी की।

अब दाऊद खेड़ी के बाद सीएम श्री चारभुजा परिसर, उजड़खेड़ा चौराहा, बड़नगर रोड, मोहनपुरा, कार्तिक मेला ग्राउंड और मोदी खेल परिसर, नागदा में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में भी शिरकत करेंगे।

उधर खरगोन में अक्षय तृतीया के अवसर पर रविवार को खरगोन जिले में अलग-अलग समाजों ने सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें कुल 102 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ परिणय सूत्र में बंधन की रस्में पूरी कीं। आयोजन कसरावद, मंडलेश्वर, उमियाधाम और मेहरजा में संपन्न हुए, जहां जनप्रतिनिधियों, समाजजनों और स्थानीय लोगों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद और उपहार भेंट किए।

कसरावद में राजपूत समाज द्वारा 48 जोड़ों का विवाह समारोह आयोजित किया गया। तेज गर्मी को देखते हुए मंडपों में नोजल फव्वारों की विशेष व्यवस्था की गई थी। मंडलेश्वर में मालवी गारी भारुड समाज के 23 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ, जहां महेश्वर विधायक राजकुमार मेव और कसरावद विधायक सचिन यादव मौजूद रहे।

उमियाधाम करोदिया में पाटीदार समाज द्वारा 22 जोड़ों का विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। वहीं, मेहरजा में गुरुव समाज के 9 जोड़ों का विवाह गायत्री पद्धति से कराया गया, जिसमें विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने भाग लिया। सभी समारोहों में विधिपूर्वक विवाह संस्कार संपन्न हुए और समाज प्रतिनिधियों ने नवदम्पतियों को आशीर्वाद प्रदान किया। इसके साथ ही खरगोन शहर में परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में ब्राह्मण समाज की ओर से शाम 6:30 बजे भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली गई। तेज गर्मी के बावजूद हजारों श्रद्धालु इस धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए।

दो सड़क हादसे में दो की मौत, दुर्घटनाग्रस्त ट्रॉली से टकराई दो बाइक, एक में लग गई आग

शहडोल ■ निसं

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। एक ही ट्रैक्टर ट्रॉली के पीछे टकराने से दो अलग-अलग घटनाओं में यह मौत हुई है। इसमें पुलिस की भी लापरवाही सामने आई। घटना जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के कौआ सराई के पास शहडोल रीवा मार्ग की है। पुलिस ने बताया कि जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के कौआ सराई क्रेशर से ट्रैक्टर ट्रॉली में गिट्टी लोड वाहन गांव की ओर जा रहा था, तभी पीछे से आ रही बाइक ट्रैक्टर ट्रॉली के पीछे जा घुसी। इसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हुआ, और घटना के तुरंत बाद बाइक में आग लग गई। घायल बाइक सवार को स्थानीय लोगों ने उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया जहां उसने दम तोड़ दिया।

बाइक की ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर होने के बाद बाइक में अचानक आग लग गई। स्थानीय लोगों ने बाइक सवार घायल युवक को अस्पताल भिजवाने के बाद पुलिस को

मामले की जानकारी दी, जानकारी लगने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दमकल कर्मियों को आग लगने की जानकारी दी, जब तक दमकल वाहन मौके पर पहुंचा तब तक आग ने बाइक को जलाकर राख कर दिया था। पुलिस ने मौके से ट्रैक्टर इंजन को जब्त किया, क्योंकि आग लगने की वजह से ट्रैक्टर ट्रॉली में लगा टायर भी चल चुका था, जो थाने लाने के कंडीशन में नहीं था। पुलिस ने ट्रैक्टर के इंजन को मौके से जब्त कर लिया, और ट्रॉली को मौके पर ही खड़ा रहने दिया। इसकी वजह से बुधवार की सुबह फिर एक बाइक सवार युवक हादसे का शिकार हो गया और उसकी जान चली गई। एक ही ट्रॉली की टक्कर लगने से 10 घंटे के भीतर दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई, स्थानीय लोगों ने पुलिस पर सवालिया निशान खड़े किए हैं।

बुधवार सुबह तकरीबन 10 बजे जली हुई ट्रैक्टर ट्रॉली के पीछे टक्कर होने से बाइक सवार एक और युवक की मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि बाइक सवार युवक गोहपारू से ब्यौहारी की ओर जा रहा था। तभी शहडोल रीवा मुख्य मार्ग कौआ सराई के पास दुर्घटनाग्रस्त ट्रॉली सड़क पर खड़ी थी, जिसके पीछे युवक की बाइक घुस गई और युवक राकेश सिंह पिता भैया लाल (34) निवासी चंदौल थाना गोहपारूकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों ने जयसिंहनगर पुलिस पर सवालिया निशान खड़े करते हुए कहा कि मंगलवार की रात जब सड़क हादसा हुआ था, तो पुलिस मौके पर पहुंची थी,और ट्रैक्टर की इंजन को मौके से जब्त किया था।

इंदौर में चली तेज हवाएं, वाहन पर गिरा पेड़

इंदौर। इंदौर में बुधवार शाम शाम 5.30 बजे अचानक मौसम में बदलाव हो गया। तेज रफ्तार से हवा चली और धूल के गुबार उड़ने लगे। इस दौरान कई स्थानों की बिजली गुल हो गई। एरोड्रम इलाके में एक वाहन पर पेड़ गिर गया। वाहन चालक को चोट आई है। शहरभर में 20 से ज्यादा स्थानों पर पेड़, टहनियां गिरने की सूचनाएं निगम कंट्रोल रूम को मिली हैं। वहीं, मुंबई से इंदौर आ रहा इंडिगो विमान तेज हवा के चलते लैंड नहीं कर पाया। इसके बाद विमान को भोपाल में उतारा गया है। इससे पहले दोपहर तक भीषण गर्मी रही। गर्मी के चलते सड़कों पर आवाजाही कम थी। दिनभर तपन ऐसी थी कि धूप में एक मिनट भी खड़ा रह पाना मुश्किल था। यह अप्रैल ही नहीं पिछले पांच साल का सबसे गर्म दिन रहा। दिन का तापमान 42.6 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रात भी काफी गर्म रही।

खेतों में नरवाई जलाने वाले 132 कृषकों पर लगाया गया जुर्माना

खंडवा ■ निसं

पर्यावरण सुरक्षा हेतु नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 अन्तर्गत जिले में गेहूँ एवं अन्य फसलों की कटाई उपरांत फसल अवशेषों को खेतों में जलाये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विभाग अधिकारी श्री के.सी. वास्केल द्वारा बताया गया कि जिला एवं विकासखंड स्तरीय विभागीय मैदानी अमले का दल बनाकर कर्तव्यस्थ किया गया है। विभागीय मैदानी अमले द्वारा ग्रामों में सार्वजनिक स्थान पर आदेश चस्पा कर, पम्पलेट वितरण कर एवं ग्रामों में मुनादी करवा कर किसानों को फसल अवशेष खेतों में न जलाने हेतु जागरूक किया जा रहा है।

उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विभाग अधिकारी श्री वास्केल ने बताया कि किसी व्यक्ति/निकाय द्वारा निर्देशों का उल्लंघन किया जाता है, तो नोटिफिकेशन अनुसार पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि सम्बंधित व्यक्ति/निकाय से 2 हजार 500 सौ रुपये से लेकर 15 हजार रुपये तक दंडस्वरूप वसूल किये जाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक कृषकों द्वारा नरवाई जलाने पर तहसील खंडवा के 32 कृषकों से 85 हजार रुपये, तहसील पंधाना के 2 कृषकों से 7 हजार 5 सौ रुपये, तहसील पुनासा के 8 कृषकों से 53 हजार 5 सौ रुपये, तहसील खालवा के 8 कृषकों से 22 हजार 5 सौ रुपये एवं तहसील हरसूद के 82 कृषकों से 4 लाख 13 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

भाजपा की बरुड़ मंडल की कार्यकारणी घोषित

खरगोन ■ निसं

भारतीय जनता पार्टी खरगोन ने संगठन का विस्तार करते हुवे जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे की सहमति से 21 सदस्यीय कार्यकारणी की घोषणा करते हुवे संगठन को मजबूत बनाते हुवे बरुड़ मंडल अध्यक्ष विजय सोनारे ने मंडल की घोषणा की गई है।

जिला कार्यालय से विजय मोरे ने बताया की मंडल अध्यक्ष विजय सोनारे, उपाध्यक्ष राजेश पाटिल, गीना अछाले, अनिल कुशवाह, मनोज कोठारी, सुक्कण वास्कले, श्रीमती उर्मिला कुमरावत, महामंत्री विपिन तारे, शेखर कुमरावत, मंत्री श्रीमती सोनु राठौड़, नानसिंह आर्य, सुरेश पाटिल, संतोष वास्कले, देवराम मुजाल्दे, श्रीमती अनिता आर्से, कार्यालय मंत्री दुर्गालाल डावर, कोषाध्यक्ष डाया मेघवाल, सोशल मीडिया प्रभारी भुपेन्द्र कुशवाह, मीडिया प्रभारी सुनिल दवाने, मन की बात प्रमुख रूपकुमार कुमरावत, आईटी सेल मंडल प्रभारी गोपाल राठौड़ को बनाया गये है नवीन कार्यकरणी ने जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे का आभार जताते हुवे कहा की पार्टी ने जो भरोसा जताया है उसपे वे कायम रकते हुवे पार्टी और संगठन को मजबूत करने के लिए ईमानदारी और लगन से हर संभव प्रयास करेगे।

बांद्रा टर्मिनस से रीवा के बीच चलेगी अनारक्षित समर स्पेशल ट्रेन, जानें कहां-कहां रहेगा ठहराव

जबलपुर ■ निसं

गर्मियों में बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस-रीवा के बीच अनारक्षित समर स्पेशल ट्रेन शुरू की है। यह ट्रेन मई 2025 में सप्ताह में एक बार दोनों दिशाओं में चलेगी और इटारसी, कटनी, सतना समेत कई स्टेशनों पर रुकेगी। कुल 22 कोच होंगे।

गर्मियों की छुट्टियों के दौरान सामान्य श्रेणी के यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। पश्चिम रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 09029/09030 बांद्रा टर्मिनस-रीवा-बांद्रा टर्मिनस के मध्य पांच-पांच ट्रिप के लिए अनारक्षित समर स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर

संचालित की जाएगी। यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के रीवा स्टेशन से प्रारंभ/टर्मिनेट होगी और इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदनमहल, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में 20 सामान्य श्रेणी कोच, 01 जनरेटर कार, एवं 01 एसएलआरडी कोच सहित कुल 22 कोच रहेंगे। रेलवे की जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 09029 (बांद्रा टर्मिनस से रीवा) 1 मई से 29 मई 2025 तक प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से सुबह 04:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन इटारसी रात 21:05, पिपरिया 22:18, नरसिंहपुर 23:10, मदनमहल 01:00 (अगले दिन), कटनी 02:40, मैहर 04:10, सतना 05:20, तथा रीवा सुबह 07:00 बजे पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 09030 (रीवा से बांद्रा टर्मिनस) 2 मई से 30 मई 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को रीवा से सुबह 11:00 बजे प्रस्थान करेगी। यह सतना 12:20, मैहर 12:45, कटनी 14:00, मदनमहल 16:05, नरसिंहपुर 17:05, पिपरिया 18:00, इटारसी 19:55 पर रुककर शनिवार सुबह 11:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, बोईसर, वापी, वलसाड, भेस्तान, चलथान, बारडोली, नंदुरबार, अमलनेर, धरणगांव, जलगांव, भुसावल, खंडवा स्टेशनों पर भी ठहरेगी।

सोहागपुर के जमील खान को डॉक्टर की मानद उपाधि से नवाजा गया

सोहागपुर ■ निसं

नगर के वरिष्ठ नागरिक समाज सेवी एवं पार्षद जमील खान को ग्लोबल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सोशल वर्क के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने के लिए डॉक्टर की मानद उपाधि से नवाजा गया है। जमील खान पार्षद होने के साथ-साथ समाजसेवी भी हैं, जमील खान 30 वर्षों से निरंतर अजय योद्धा की तरह पार्षद का चुनाव जीतते आ रहे हैं।

जमील खान राम रहीम रोटी बैंक के संचालक भी हैं जो प्रतिदिन जरूरतमंद, गरीब, बेसहारा लोगों को जनसहयोग से रात्रि 8:00 बजे स्टेशन पर गरमा गरम स्वादिष्ट भोजन कराते हैं, जिसमें राम रहीम रोटी बैंक की पूरी संस्था एवं समाजसेवी लोग भी बढ़-चढ़कर अपना योगदान देते हैं। सोहागपुर नगर ही नहीं नर्मदापुरम जिले के सभी लोग जमील खान का सम्मान करते हैं।

जमील खान का स्वभाव सरल और सहज है, बच्चे, बड़े, बूढ़े, युवा सभी जमील खान की समाजसेवा से प्रेरित होकर इन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करते हैं। डॉक्टर की उपाधि मिलने पर इन्हें नगरवासियों शुभचिंतकों एवं मित्रों ने आत्मीय बधाइयां दी हैं।

पत्नी ने रची पति की हत्या की साजिश

भतीजे-दामाद के साथ मिलकर गला घोंटा, खेत में फेंका शव

छिंदवाड़ा ■ निसं

छिंदवाड़ा जिले में कांता बाई ने अवैध संबंध और घरेलू हिंसा से परेशान होकर पति अशोक धुर्वे की हत्या भतीजे व दामाद संग मिलकर की। शव खेत में फेंका गया। मोबाइल ट्रैकिंग से राज खुला। पुलिस ने 24 घंटे में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश किया।

प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। एक पत्नी ने अपने शराबी पति को रास्ते से हटाने के लिए ऐसी खौफनाक साजिश रची कि सुनकर रोंगटे खड़े हो जाएं। मोहखेड़ थाना क्षेत्र के उमरानाला चौकी अंतर्गत पत्नी कांता बाई ने अपने भतीजे और दामाद के साथ मिलकर पति अशोक धुर्वे (55) की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को खेत की मेड़ पर फेंक दिया। पुलिस ने महज 24 घंटे में इस सनसनीखेज हत्याकांड का पर्दाफाश कर तीनों आरोपियों को धरदबोचा।

27 अप्रैल को लिंगा बायपास के पास सालीमेटा गांव में खेत की नाली में एक 90न सड़ा हुआ कंकाल मिला। उमरानाला पुलिस ने जांच शुरू की तो कांता बाई ने शव की पहचान अपने पति अशोक धुर्वे के रूप में की।

मोबाइल ने खोली पोल: हत्या के बाद कांता ने अशोक का मोबाइल राजू के घर में छिपा दिया। लेकिन पुलिस की साइबर सेल ने मोबाइल को ट्रैक कर राजू को हिरासत में लिया। सख्त पूछताछ में राजू टूट गया और उसने पूरी साजिश उगल दी। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल बाइक, मोबाइल और रस्सी बरामद कर ली।

तीनों आरोपी सलाखों के पीछे, पुलिस को इनाम: 29 अप्रैल को कांता बाई, राजू कुडापे और जगदीश उइके को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस सनसनीखेज मामले को सुलझाने में उमरानाला पुलिस, मोहखेड़ थाना और साइबर सेल की टीम ने दिन-रात एक कर दी। छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने मामले के त्वरित खुलासे के लिए पुलिस टीम को पुरस्कार देने की घोषणा की है।

शराब और मारपीट बनी हत्या की वजह

जांच में पता चला कि अशोक धुर्वे शराब के नशे में अक्सर कांता को बेरहमी से पीटता था। कांता का गांव के ही राजू कुडापे (32) से अवैध संबंध था। तंग आ चुकी कांता ने अपने रिश्ते के भतीजे राजू और दामाद जगदीश उइके (33) के साथ मिलकर अशोक को ठिकाने लगाने की ठान ली। तीनों ने साजिश के तहत अशोक को पहले शराब पिलाई, फिर सुनसान खेत में ले जाकर रस्सी से गला घोंटकर उसकी जान ले ली। हत्या के बाद शव को खेत की मेड़ में फेंक दिया और रस्सी को मिट्टी में दबा दिया।

आज निकाली जायेगी यज्ञ आयोजन की कलश यात्रा

सोहागपुर ■ निसं

शहर में जन सहयोग से प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ किया जा रहा है। नर्मदापुरम् मार्ग स्थित शिव पार्वती पाषाण प्रतिमा मंदिर प्रांगण में यज्ञ प्रारंभ होगा तथा 12 मई को यज्ञ का विराम होगा। जानकारी अनुसार श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ की कलश यात्रा आज सुबह काली मंदिर परिसर से होते हुए शंकर मंदिर तक निकाली जाएगी।

यज्ञ समिति से शिवकुमार पटेल ने बताया कि यज्ञ दौरान प्रति दोपहर श्रीमद् भागवत महापुराण कथा व रात्रि में श्रीराम कथा होगी। कथावाचक पं. गुरुसाहब शर्मा खेरी वाले, शिरोमणि दुबे मानसमणि सिंगरौली तथा पं. रामकिशोर दुबे सोहागपुर रहेंगे। यज्ञ आचार्य पं. विकास शर्मा सोहागपुर रहेंगे। यज्ञ की पूर्णाहुति 11 मई को व भंडारा बैसाखी पूर्णिमा 12 मई को होगा।

भोपाल स्टेशन पर रेलकर्मियों की ईमानदारी और सजगता एक बार फिर यात्रियों की सेवा में मिसाल बनकर सामने आई

कुली की ईमानदारी और रेलवे अधिकारी की तत्परता से यात्री को मिला खोया हुआ बैग

भोपाल ■ निसं

29 अप्रैल 2025 को अपराह्न लगभग 16:10 बजे, एक यात्री अल्फ्रेड टोनी जो ट्रेन संख्या 12618 मंगला एक्सप्रेस से एर्नाकुलम स्टेशन की यात्रा पर थे, वे भोपाल स्टेशन परिसर में स्थित ड्रॉप एंड गो क्षेत्र में टैक्सी से उतरे। यात्रा की जल्दी में वे अपना एक बैग वहीं भूल गए और प्लेटफॉर्म की ओर रवाना हो गए।

इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर कार्यरत रेलवे कुली छगनलाल (बिल्ला क्रमांक 75) की नजर उस लावारिस बैग पर पड़ी। अपनी ईमानदारी और सजगता का परिचय देते हुए उन्होंने बिना देर किए वह बैग उपस्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) जावेद अंसारी को सौंप दिया। अंसारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैग की जांच की, जिसमें नकदी के साथ कई महत्वपूर्ण बैंकिंग दस्तावेज मिले। दस्तावेजों में अंकित मोबाइल नंबर से उन्होंने यात्री अल्फ्रेड टोनी से संपर्क किया और उन्हें उनके बैग के सुरक्षित होने की सूचना दी।

सूचना मिलते ही टोनी तुरंत स्टेशन पर उपस्टेशन अधीक्षक कार्यालय में पहुँचकर बैग प्राप्त किया। उन्होंने भोपाल रेल प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं बहुत खुश और आभारी हूँ कि इतनी जिम्मेदारी और ईमानदारी से मेरा सामान मुझे वापस मिल गया। रेल प्रशासन का यह व्यवहार यात्रियों के विश्वास को और मज़बूत करता है।

इस सराहनीय कार्य पर प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा– भोपाल मंडल में कार्यरत हमारे कर्मचारी यात्रियों की सेवा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। छगनलाल की ईमानदारी और जावेद अंसारी की तत्परता ने यह सिद्ध कर दिया है कि हमारे स्टाफ न सिर्फ कर्मठ हैं, बल्कि मानवीय मूल्यों को भी निभाते हैं। रेल प्रशासन को उन पर गर्व है।

भोपाल रेल मंडल यात्रियों को सुरक्षित, भरोसेमंद और सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह घटना इस बात का प्रतीक है कि रेलवे केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि यात्रियों के विश्वास और सुरक्षा का संरक्षक भी है।

बेबाक भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का हार्ट अटैक से निधन, प्रदेश भर में शोक की लहर

भोपाल ■ निसं

भारतीय जनता पार्टी के बेबाक प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का हृदय गति रुक जाने के कारण दुखद निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से पूरे मध्यप्रदेश में शौक के लहर दौड़ गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक नरेंद्र सलूजा बीते दो दिनों से सीहोर के एक रिसॉर्ट में थे। वह यहां पर एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। जहां उन्हें सीने में दर्द हुआ तो साथ वाले लोगों ने अस्पताल चलने का आगाह किया। लेकिन उन्होंने अनसुना करके एसिडिटी की दवाई खाली और इंदौर के लिए रवाना

हो गए। सलूजा इंदौर पहुंचे ही थे, कि उन्हें फिर से दिल का दौरा पड़ा और वह अपने घर पर बेहोश होकर गिर पड़े। परिजन फौरन ही उन्हें पास के एक अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने चेकअप के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। गौरतलब है, कि नरेंद्र सलूजा भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से पूर्व कांग्रेस के कद्दावर नेता माने जाते थे, और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के काफी करीबी थे। लेकिन दोनों में हुई अनबन के बाद उन्होंने कांग्रेस का हाथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। भाजपा में शामिल होने के बाद से ही वह प्रतिदिन सोशल नेटवर्किंग साइट के माध्यम से कांग्रेस की सभी गतिविधियों पर नजर रखते थे। और मौका मिलते ही निशाना साधने से नहीं चूकते थे। सलूजा के निधन से इंदौर सहित मध्य प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके चाहने वालों के साथ ही भाजपा नेताओं का उनके आवास पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

सीएनजी वाहनों को लाइफटाइम व्हीकल टैक्स में मिलेगी छूट

भोपाल। राज्य सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति के बाद अब सीएनजी वाहनों को बढ़ावा देने का फैसला किया है। इसके तहत फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट युक्त सभी नए वाहनों को लाइफटाइम व्हीकल टैक्स में छूट दी जाएगी। यह छूट अलग-अलग कैटेगरी के वाहनों के लिए अलग-अलग तय की गई है। परिवहन विभाग ने इसके लिए नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। परिवहन विभाग के जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, ऐसे हाइब्रिड ईंधन स्रोत युक्त वाहन, जिनमें सीएनजी के साथ अन्य ईंधन भी शामिल है या जिनमें बाद में सीएनजी किट फिट कराई गई है (रेट्रो फिटमेंट), उन्हें इस छूट का लाभ नहीं मिलेगा। यह छूट केवल उन्हीं वाहनों को दी जाएगी जो फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट के साथ आते हैं और जिनका पंजीकरण सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नीति 2025 के तहत एक वर्ष की अवधि में किया जाएगा। इन वाहनों को लाइफटाइम व्हीकल टैक्स में 1 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

राजधानी में बंधक जमीन बेचने पर ईओडब्ल्यू का एक्शन

भोपाल। राजधानी भोपाल में बंधक जमीन बेचने के मामले में दंपति समेत तीन लोगों पर मामला दर्ज किया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने यह कार्रवाई की है। फर्जी पार्टनरशिप डीड से खाता खोलकर फर्म की संपत्तियां बेची थीं। भोपाल नगर निगम में बंधक रखी जमीन को अवैध रूप से बेचने के मामले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने बड़ी कार्रवाई की है। ईओडब्ल्यू ने दिलीप बच्चानी, उसकी पत्नी हर्षिता बच्चानी और खरीदार प्रिया हरपलानी पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आधार रियल्टी प्रोजेक्ट के तहत 45 फ्लैट गरीबों के लिए आरक्षित थे और जमीन निगम में बंधक थी। प्रिया के पति हरीश हरपलानी पर भी संदिग्ध कारोबार से जुड़े होने के आरोप हैं। इस पूरे मामले की जानकारी प्रवर्तन निदेशालय को भी दी गई है।

कुक्षी विधायक के परिवार में संपत्ति को लेकर विवाद

भोपाल। धार जिले की कुक्षी विधानसभा से विधायक सुरेंद्र हनी सिंह बघेल के छोटे भाई की पत्नी काम्या सिंह ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने विधायक पर पति को गायब कराने के आरोप लगाए हैं। हालांकि विधायक के भाई ने वीडियो जारी कर कहा है कि वे अपनी मर्जी से वेलनेस सेंटर आए हैं। स्वास्थ्य ठीक होने पर ही वे आएंगे। काम्या ने बताया कि मेरी शादी 8 साल पहले सुरेंद्र सिंह बघेल के छोटे भाई देवेंद्र से हुई थी। शादी के समय मुझे बताया गया था कि वह बिजनेसमैन हैं। शादी के बाद पता चला कि वह कुछ नहीं करते, नशे के आदी हैं। आठ साल से कोई काम नहीं करते हैं। हमारा घर सिर्फ पैतृक संपत्ति से जो रेंट आता है, उससे चलता है। बहू काम्या सिंह के आरोपों पर कुक्षी विधायक सुरेंद्र हनी सिंह बघेल ने कहा- 12 साल से मैं अपने परिवार से अलग रह रहा हूं इंदौर में। वे शादी के बाद लगभग 7 साल से भोपाल में रह रही हैं। उनके पति देवेंद्र सिंह बघेल अपने परिवार का पूरे तरीके से पालन-पोषण कर रहे हैं। किसी तरह की कमी आज भी नहीं है।

एम्स में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी के नाम पर ठगी

भोपाल। भोपाल एम्स में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने गार्ड के रूप में भर्ती कराने के नाम पर 80 हजार रुपए में डील की। बतौर एडवांस 20 हजार रुपए लिए। जालसाज खुद को सिक्योरिटी कंपनी का संचालक बताता था। जहांगीराबाद पुलिस ने शिकायती आवेदन की जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी की तलाश की जा रही है। एसआई सुनील भदौरिया ने बताया कि फरियादी राघवेंद्र सिंह की मुलाकात थान सिंह से हुई थी। थान सिंह ने खुद को एम्स में सिक्योरिटी गार्ड उपलब्ध कराने वाली कंपनी का संचालक बताया था। आरोपी ने कहा था कि वह राघवेंद्र की नौकरी भी लगवा देगा। इसके लिए 80 हजार रुपए लगेंगे।

अक्षय तृतीया पर भोपाल में जगह -जगह हुआ सामूहिक विवाह सम्मेलन

फंदा में 151 जोड़े विवाह सूत्र में बंधे, सभी को उपहार में दी श्रीरामचरित मानस

भोपाल ■ निसं

अक्षय तृतीया पर भोपाल में सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ। फंदा में 151 जोड़े विवाह सूत्र में बंधें। विधायक रामेश्वर शर्मा भी मौजूद रहे। इस दौरान सभी जोड़ों को उपहार में श्रीरामचरित मानस दी गई। जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या दान योजना के तहत आयोजन हुआ। कुल 151 जोड़े शामिल रहें। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दूल्हा-दुल्हन विवाह सूत्र में बंधे। इधर, अक्षय तृतीया पर कोई बाल विवाह न हो, इसलिए जिला प्रशासन की टीमें नजर रख रही है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने टीमें बनाई हैं।

फूल माली समाज जगदीशपुर ईटीखड़ी भोपाल क्षेत्र द्वारा सामूहिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। अक्षय तृतीया के मौके पर आयोजित हुए इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में 19 जोड़े परिणय सूत्र में बांधे। समाज के द्वारा पिछले 27 वर्षों से लगातार सामूहिक विवाह सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है इस बार ईंटखेड़ी ग्राम पंचायत के सरपंच और सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष हरि सिंह सैनी ने 19 जोड़ों का निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया था। जिसमें वर वधू से रजिस्ट्रेशन के लिए कोई राशि नहीं दी गई। इसके साथ ही 19 दुल्हों को घोड़े पर बैठाकर डीजे के साथ उनकी बारात निकाली गई। कार्यक्रम राजधानी भोपाल की ईंटखेड़ी ग्राम पंचायत स्थित स्वयंवर मैरिज गार्डन में आयोजित हुआ। जहां फूल माली समाज के अध्यक्ष हरि नारायण माली, कृष्ण गोपाल माली, पूर्व अपर कलेक्टर जीपी माली, राजेंद्र कुमार सैनी, राजमल सैनी, ललता प्रसाद सैनी, मौजूद रहे।

अखिल भारतीय पाल महासभा द्वारा बिट्टन मार्केट स्थित दशहरा मैदान में 51 जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआ। श्री 360 गौत्रिय खटीक समाज सकल पंच भोपाल द्वारा 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह शाहजहांनी पार्क में आयोजित हुआ। फूल माली समाज ईंटखेड़ी में होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में 19 जोड़ों का विवाह हुआ। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत जंबूरी मैदान में सामूहिक सामूहिक विवाह आयोजन के लिए 51 जोड़ें विवाह सूत्र में बंधे। नागर धाकड़ समाज समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन औबेदुल्लागंज व भौंरी बकानिया में हुआ। करोंद स्थित कनक मैरिज गार्डन में अखिल भारतीय श्री क्षत्रिय राजपूत समाज का सम्मेलन किया गया। विट्ठन मार्केट में अभा पाल महासभा का निःशुल्क मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ।

मानसरोवर पब्लिक स्कूल में समर कैम्प 1 मई से

रोबोटिक्स, एआई और थ्री डी प्रिंटिंग सहित स्विमिंग, डांस, म्यूजिक का धमाल

भोपाल ■ निसं

मानसरोवर पब्लिक स्कूल में एक माह का समर कैम्प 1 मई से शुरू हो रहा है। समर कैम्प में इस बार बच्चों के लिए रोबोटिक्स, एआई, स्विमिंग, स्पोर्ट्स, डांस, म्यूजिक के साथ ही मम्मियों के लिए भी योगा, जुम्बा, कुकिंग और मेहंदी की स्पेशल क्लास रखी गई हैं। समर कैम्प 31 मई तक जारी रहेगा जिसके रजिस्ट्रेशन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किए जा रहे हैं।

मानसरोवर पब्लिक स्कूल में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी समर कैम्प आयोजित किया जा रहा है। जिसमें रोबोटिक्स, एआई और थ्री डी प्रिंटिंग सहित आउटडोर स्पोर्ट्स में स्वीमिंग, बास्केटबॉल, फुटबॉल, इनडोर में चेस और कराटे, म्यूजिक में गिटार, कीबोर्ड, वेस्टर्न डांस और जुम्बा, आर्ट एंड क्राफ्ट, फायरलैस कुकिंग, कैलिग्राफी, क्रिक कैलकुलेशन, एटिकेट्स एंड कम्यूनिकेशन क्लासेस की ट्रेनिंग दी जाएगी। वहीं बच्चों की मम्मियों के लिए भी योगा, कुकिंग और मेहंदी जैसी गतिविधियां कम दरों पर सिखाई जाएंगी। समर कैम्प संचालक मानसरोवर समूह की निदेशक दिशा तिवारी ने बताया कि सभी एक्टिविटी के लिए समर कैम्प के एडमिशन जारी हैं, पहले आओ पहले पाओ के आधार पर इन सभी गतिविधियों में एडमिशन लिए जा सकते हैं।

एम्स भोपाल को मुंह के कैंसर की शीघ्र पहचान के लिए मोबाइल ऐप विकसित करने हेतु अनुसंधान अनुदान प्राप्त

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान ने ओरल कैंसर (मुख कैंसर) और अन्य प्री-मेलिग्नेंट (पूर्व-कैंसर) स्थितियों की पहचान के लिए एक मोबाइल ऐप के माध्यम से स्क्रीनिंग हेतु एक अभिनव अनुसंधान परियोजना प्रारंभ की है। इसके लिए एमपी काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने दो साल के रिसर्च प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। इस दो वर्षीय अनुसंधान परियोजना के लिए कुल 7.4 लाख की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से प्रथम वर्ष हेतु 3.7 लाख की पहली किस्त जारी की जा चुकी है। यह मोबाइल ऐप ओरल कैंसर, मुँह खोलने में रुकावट की बीमारी, और अन्य गंभीर मुख स्थितियों की स्क्रीनिंग करने में मदद करेगा। यह ऐप कुछ ही मिनटों में परिणाम देगा और सभी रोगियों की जानकारी पूर्ण रूप से गोपनीय रखेगा।

इस रिसर्च का नेतृत्व एम्स भोपाल के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग के डॉ. अंशुल राय करेंगे। उनके साथ को-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर के रूप में डॉ. सैकत दास (रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), प्रो. अभिनव सिंह, डॉ. दीप्ति जोशी (पैथोलॉजी) और डॉ. अंकुर

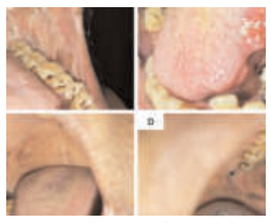

जोशी (कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन) शामिल हैं। रिसर्च के लिए स्वीकृत राशि में से दो साल के लिए जूनियर रिसर्च फेलो की सैलरी 4 लाख 80 हजार रुपए तय की गई है। कंज्यूमेबल्स पर 60 हजार रुपए, यात्रा व्यय पर 1 लाख रुपए और पब्लिकेशन व प्रिंटिंग पर 1 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। यह रिसर्च मोबाइल ऐप के जरिए बड़ी आबादी में मुंह से जुड़ी गंभीर बीमारियों की पहचान और इलाज की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। साइंटिस्ट प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर प्रोफेसर डॉ. अंशुल राय ने जानकारी दी कि इस मोबाइल ऐप पर वे गत एक वर्ष से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एमपी काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा कुल ?7.5 लाख की धनराशि इस परियोजना के लिए प्रदान की गई है। आगामी दो वर्षों में यह अनुसंधान 1,000 व्यक्तियों पर किया जाएगा तथा एक व्यापक रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की जाएगी, जिससे ओरल कैंसर से संबंधित नीति निर्माण में सहायता मिल सके। यह ऐप उपयोगकर्ताओं को तंबाकू, सुपारी, सिगरेट और बीड़ी जैसे हानिकारक पदार्थों के प्रभावों के बारे में जागरूक करेगा और उन्हें इनका सेवन छोड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

यह ऐप अपनी तरह का पहला इनोवेशन है जिसे सरकार ने फंडिंग दी है और यह स्पष्ट तरह से कैंसर होने के कितने चांसेस हैं उसका प्रमाण देगा। वर्तमान में ऐसा कोई ऐप बाजार में उपलब्ध नहीं है जिसमें इतने फीचर्स हों। इसके माध्यम से मरीज बहुत ही आसान तरीके से जान सकेंगे कि उनके मुँह में कैंसर के प्रारंभिक या उन्नत (एडवांस) लक्षण मौजूद हैं या नहीं। यह ऐप कुछ ही मिनटों में परिणाम प्रदान करेगा और मरीज की सभी जानकारियाँ पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी। जिन रोगियों में कोई लक्षण नहीं होंगे, उनके लिए भी यह ऐप शिक्षाप्रद सिद्ध होगा और उन्हें तंबाकू, सुपारी और धूम्रपान छोड़ने हेतु प्रेरित करेगा। इस पहल की सराहना करते हुए प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, यह अभिनव मोबाइल ऐप हमारे ओरल कैंसर के विरुद्ध प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

कांग्रेस नेत्रियों के पास आए फेक कॉल

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और महिला नेत्रियों को अभद्र कॉल्स आए। एआईसीसी का नाम बताकर पद का प्रलोभन दिया गया। इसके साथ ही अभद्र भाषा में बातचीत की गई। तीन से चार महिला नेत्रियों ने इसकी शिकायत पार्टी से की। जिसके बाद एमपी कांग्रेस ने अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को कांग्रेस नेत्रियों को एआईसीसी के नाम से फेक कॉल आए। जिसमें महिला नेताओं को पद और प्रलोभन दिया गया। साथ ही अभद्र भाषा में बातचीत भी गई है। तीन-चार महिला नेत्रियों ने इसकी शिकायत प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी से की। इसके बाद पार्टी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए अलर्ट जारी किया। एमपी कांग्रेस ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा- महत्वपूर्ण सूचना-हमारी जानकारी में आया है कि कतिपय असामाजिक तत्वों द्वारा एआईसीसी के नाम से 9352597073 व 9116359721 इस प्रकार के कुछ नंबरों से मध्य प्रदेश के कांग्रेस नेताओं व महिला कार्यकर्ताओं को अभद्र भाषा में कॉल किए जा रहे हैं। आग्रह है कि सभी साथी ऐसे नंबरों से कॉल आने पर तुरंत पुलिस में शिकायत करें।

लव मैरिज के तीसरे दिन बहू से जेठ ने किया रेप

दोबारा हरकत करने के प्रयास में था जेठ, तब पीड़िता पहुचीं थाने

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल के नजदीक बैरसिया थाना इलाक में एक युवती के साथ प्रेम विवाह के तीसरे दिन ही उसके जेठ ने उसके साथ बलात्कार कर डाला। युवती ने जब जेठ की करतूत के बारे में पति से शिकायत की तब पति ने को उसे चुप रहने के लिए कहा। उसकी खामोशी से आरोपी जेठ की हिम्मत बढ़ गई और उसकी हरकतें बढ़न लगी। तब परेशान होकर पीड़िता ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज करा दिया। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की जनवरी माह में उसने बैरसिया की एक कॉलोनी में रहने वाले एक युवक से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद वह अपनी ससुराल पहुंच गई। आरोप है की शादी के तीन दिन बाद ही जब उसका पति घर पर नहीं था, तब मौका पाकर आरोपी जेठ अरविंद शर्मा (परिवर्तित नाम) ने शराब के नशे में उसके साथ दुष्कर्म कर डाला। बाद में जब पति के वापस लौटने पर उसने जेठ की सारी करतूत उसे बताई। तब पति ने उसकी पर विश्वास नहीं किया तब महिला ने यह बात अपनी सास को बताई। लेकिन दोनों ने ही उसकी बात को न मानते हुए धमकी दी कि अगर इस संबध में किसी को कुछ बताया तो उसे घर से निकाल देंगे। ससुराल वालों की धमकी के कारण नवविवाहिता चुप रह गई। उसकी खामोशी से जेठ की हिम्मत बढ़ गई और वह दोबारा उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश करने लगा। तंग आकर पीड़िता ससुराल से निकल गई और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने आरोपी जेठ के खिलाफ बलात्कार का मामला कायम कर किया है, वहीं पति, सास को सह आरोपी बनाया है। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

पीजी में एक साथ दो डिग्री ले सकेंगे छात्र

विद्यार्थियों के पास कोई भी विषय चुनने की स्वंतत्रता होगी

भोपाल ■ निसं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सत्र 2025-26 से स्नातकोत्तर(पीजी) में विद्यार्थी एक साथ दो डिग्री ले सकेंगे। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। यूजीसी द्वारा पीजी पाठ्यक्रम के लिए जारी करिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क के आधार पर यह अधिसूचना जारी की गई है। इसके तहत अब विद्यार्थियों को अपनी पसंदीदा डिग्री चुनने में विषय आदि संबंधी कोई रुकावट नहीं होगी। उदाहरण के लिए, यदि कोई विद्यार्थी एमए कर रहा है तो उसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय से एमकाम या एमएएससी की डिग्री ले सकता है। अगर दोनों डिग्री की परीक्षाएं एक साथ होंगी तो उसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय की नहीं होगी।

अगर विद्यार्थी एक साथ दो डिग्री करेंगे तो उनके समय की बचत होगी। वे एक साथ दो डिग्री एक साल में पूरी कर सकेंगे। इससे उनके पास आगे करियर में ज्यादा विकल्प उपलब्ध होंगे। विद्यार्थियों को विषय चुनने की स्वंतत्रता होगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मल्टीडिस्पिलनरी (बहुविषयक) को बढ़ावा दिया जा रहा है।

अब यूजी या पीजी के विद्यार्थियों के पास कोई भी विषय चुनने की स्वंतत्रता होगी। विद्यार्थियों को यह बाध्यता नहीं होगी कि उन्होंने 12वीं में जो विषय लिया है,उसी में पढना है। विद्यार्थी किसी भी विषय को लेकर आगे पढ़ाई कर सकते हैं।

ब-याद महमूद ज़की सिलसिला ए अदब की माहना तकरीब भोपाल की ख़ूवातीन के लिए ख़ुसूसी तौर पर की गई मुनक़्क़िद

सेहतमंद सहाफत और अदब के फ़रोग के लिए रोज़नामा नया नज़रिया की ख़दिमात क़ाबिल तहसीनः डॉ नुसरत मेहदी

भोपाल ■ निसं

नजरिया बेहतर होता है तो नजारा भी खूबसूरत बन जाता है... अच्छे नजरिए से किए गए कामों का अंजाम भी हमेशा बेहतर ही आता है। सुखन की महफिल से सुखद पल जुटाने की नीयत से नया नजरिया परिवार ने जो सिलसिला-ए-अदब शुरू किया, उसकी राहतें अब शहर का अदबी कुनबा महसूस भी करने लगा है और उसमें सराबोर भी होने लगा है। सिलसिला आगे बढ़ा तो इस तरंग से दुनिया की आधी आबादी को कैसे बिसराया जा सकता है। इसी मंशा के साथ इस बार की महफिल ख़ूवातीन के

नाम की गई, जो कि एक नई पहल थी, अब तक ऐसा नहीं हुआ कि सदर से लेकर निज़ामत और मेहमानों और सुनने वाले सब के सब सिर्फ ख़ूवातीन हों और सब एक जगह जमा हों।

सेहतमंद सहाफत के साथ उर्दू की अदबी सहाफत को फ़रोग देने में रोज़नामा नया नज़रिया की कोशिशें काबिल मुबारकबाद हैं। इन खयालात का इज़हार ब याद महमूद ज़की रोज़नामा नया नज़रिया के सिलसिला ए अदब की माहना तक़रीब महफिल ए शायरात की सदारत करते हुए मध्य प्रदेश ऊर्दू एकेडमी की डायरेक्टर डॉ नुसरत मेहदी ने किया। उन्होंने ने मज़ीद कहा कि डॉ नज़र महमूद ने रिवायत की जो पासदारी की है वह अहमियत की हामिल है। डॉ नजर महमूद नया नज़रिया के ज़रिए उर्दू की तख़लिकी सहाफत को जिस तरह से फ़रोग दे रहे हैं वह भी बहुत अहम है। विरासत बहुत लोगों को मिलती है लेकिन चंद लोग ही होते हैं जो विरासत को न सिर्फ संभालते हैं बल्कि उसको आगे बढ़ाते हैं। महमूद ज़की साहब ने उर्दू के सिलसिले में जो रिवायत क़ायम की है उसको डॉ नजर महमूद, इशरत नाहिद और उनके अहले खाना के सब ही लोग आगे बढ़ा रहे हैं जिसके लिए सब मुबारकबाद के मुस्ताहिक हैं।

प्रोग्राम की मेहमान खुसूसी ज़िया उल हसन यूनानी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. महमूदा बेगम ने अपने खयालात का इज़हार करते हुए कहा कि यहां आकर मुझे जो खुशी और सुकून मिला है उसको अल्फ़ाज़ में बयान नहीं किया जा सकता है। यहां सब ही से मुलाकात का मौका मिला और रोज़नामा नया नज़रिया ने सिलसिला ए अदब की जो महफिल शायरात सजाई है, उसमें खूबसूरत शायरी पेश की गई है। प्रोग्राम की एक और मेहमान खुसूसी अदीबा डॉ रज़िया हामिद साहेबा ने अपने खयालात का इज़हार करते हुए कहा कि उर्दू ज़बान ओ अदब के फ़रोग में बेग़मात भोपाल ने बहुत अहम ख़दिमात अंजाम दी हैं। रोज़नामा नया नज़रिया ने बेहतरीन पहल की है इसके लिए डॉ नजर महमूद को मुबारकबाद पेश करती हूं। ये सिलसिला चलते रहना चाहिए। प्रोग्राम की मेहमान ज़ीविक़ार और मध्य प्रदेश होम्योपैथी काउंसिल की रजिस्ट्रार डॉ आयशा अली ने कहा कि रोज़नामा नया नज़रिया की इस खास महफिल में लोगों से मुलाकात करके दिल खुश हो गया। दिल को छूने वाली शायरी सुनाई गई।

अनमोल वचन

इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है।

– होरेस

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है। – धीरूभाई अंबानी

सम्पादकीय

सीरिया से बदतर हो जाएंगे पाकिस्तान के हालात

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जितनी भी निंदा की जाए कम है। इस घटना के दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी ही चाहिए, फिर चाहे वो देश के अंदर मौजूद हों या फिर सीमापार। इससे किसी भी शांतिप्रिय व्यक्ति या देश को आपत्ति भी नहीं होनी चाहिए। बल्कि ऐसे आतंकियों को सजा दिलाने में सभी को साथ आना चाहिए, ताकि दुनियां में यह संदेश जा सके कि निर्दोष और निहत्थों पर जुल्म और ज्यादती करने और बेरहमी से जान लेनें वालों की इस दुनियां में न तो कोई जगह है और न ही किसी को उनकी जरुरत है। पर अफसोस कि आतंकवाद को पालने और दरिंदों की फौज तैयार कर पड़ोसियों को ज्यादा से ज्यादा परेशान करने की जो रणनीति पर चल रहा हो, वह शांति और भाईचारे की बात को कैसे समझ सकता है। ठीक वैसे ही जैसे कि जो इमारत नफरत की नींव पर खड़ी की गई हो उसमें सुख-समृद्धि और भाईचारा कैसे निवास कर सकता है। बगावत और हमेशा कत्लेआम की भाषा बोलने वाले प्रगति के पथ पर सरपट दौड़ ही नहीं सकते। इसके चलते बहुतायत में अशिक्षा, बेरोजगारी और गरीबी पनपती है और फिर शुरु होता है अपनों और परायों का फर्क किए बगैर छल-कपट और फरेब के साथ ही खून-खराबे का वो दौर जो इस समय पाकिस्तान में देखने को मिल रहा है। वैसे देखा जाए तो विभाजन के बाद से पाकिस्तान कभी सुकून से बैठा ही नहीं। राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद को पालने का परिणाम बांग्लादेश के तौर पर पाकिस्तान के दो टुकड़े हो जाना हमेशा। उसके दिल में इसकी टीस सदा ही उभरती होगी, इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता है। बावजूद इसके सही रास्ते पर आने की जगह पाकिस्तान अपने ढर्रे पर कायम रहा, नतीजा पीओके और बलूचिस्तान के साथ ही अफगानिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में बगावत के सुर और बड़ी तादाद में हिंसा का होना है। अब यदि वह कुछ और करने की सोचता भी है तो बिना कुछ किए एक और प्रांत अलग देश बनाने को तैयार बैठा है। पाकिस्तान की संसद में इसको लेकर बात भी हो चुकी है, जिसे एक सांसद ने यह कहते हुए बतला दिया था कि इस अशांत प्रांत के 12 जिलों में विद्रोही गुटों की आजाद सरकारें चल रही हैं। मतलब साफ है कि जहां आवामी सरकार के पैररल किसी संगठन की अपनी सरकार चल रही हो, वहां के हालात कैसे हो सकते हैं।

इस समय पाकिस्तान के कुछ मंत्री समेत नेता भी भारत को गीदड़भभकी देने का काम कर रहे हैं। परमाणु संपन्न होने का वो दम भर रहे हैं और बता रहे हैं कि ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। बात यह है कि यदि वाकई युद्ध होता है तो फिर पाकिस्तान के अंदर मौजूद विद्रोही गुट क्योंकर खामोश बैठेगा। वह भी मौका देख अपने मकसद को पूरा करने के लिए पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ हथियार उठाने से पीछे नहीं हटेगा। स्थिति सीरिया से भी बदतर हो जाएगी और एक और जख्म देश टूटने का पाकिस्तान को सहना पड़ जाएगा। ऐसा नहीं है कि देश के हालात से पाकिस्तान की मौजूदा शहबाज सरकार नाबाकिफ है, लेकिन इससे निकला कैसे जाए यह उसे सूझ ही नहीं रहा है। गौर करने वाली बात है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जो खुद इस समय जेल में हैं कह रहे हैं कि पहलगाम घटना में लोगों की जान जाना बेहद परेशान करने वाला और दुखद है। पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। वो पुलवामा घटना को याद करते हुए आगे कहते हैं कि जब पुलवामा की घटना हुई थी, तब हमने भारत को हरसंभव सहयोग करने की पेशकश की थी, लेकिन भारत तब कोई ठोस सबूत पेश करने में विफल रहा। इसके साथ ही इमरान ने यह भी कह दिया कि उन्होंने तो पहलगाम जैसी घटना की 2019 में ही भविष्यवाणी कर दी थी। वैसे इमरान की बात ज्यादा इसलिए मायने नहीं रखती क्योंकि उन्हें खुद अपने भविष्य का पता नहीं है। कब जेल से छूटेंगे और कब अपने विरोधियों के दिए हुए जख्मों का बदला ले पाएंगे, कहा नहीं जा सकता है। पाकिस्तान में जुल्फीकार अली भुट्टो, बेनजीर भुट्टो, जनरल परवेज मुशर्रफ और भी कई बड़े नेताओं का हश्र तो दुनियां देख ही चुकी है। इन तमाम घटनाओं के लिए किसी विदेशी की आवश्यकता ही नहीं पड़ी थी। बहरहाल इस समय पाकिस्तान को चाहिए था कि वो आगे आता है और आतंकवाद को खत्म करने भारत से कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ता, लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं है। इसलिए युद्ध की भाषा बोली जा रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही किसी अनजानी एयरस्ट्राइक के खौफ में वह लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर सीमा पर गोलीबारी किए जा रहा है। भारतीय सैना और सुरक्षाबल अपने हिसाब से उसे मुंहतोड़ जवाब भी दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सेना को कार्रवाई की खुली छूट दे दी है, ऐसे में पाकिस्तान घबराहट में है। अंतत-युद्ध किसी मसले का अनंतिम समाधान नहीं हो सकता। हो सकता है कि कुछ समय के लिए कोई हल निकल भी आए, लेकिन वह स्थाई होगा यह नहीं कहा जा सकता है। इसलिए पहलगाम के पीड़ितों को न्याय दिलाने की पहल होनी चाहिए, जिसके लिए भौगोलिक सीमाओं का बंधन कोई मायने नहीं रखता है।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा- भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो? दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया- लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

मोहन सरकार की जल संरक्षण की अनुपम पहल जल गंगा संवर्धन अभियान

इस अभियान के तहत न केवल जल स्रोतों की सफाई और पुनर्जीवन पर काम किया जा रहा है, बल्कि जल संचयन के उपायों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत पुराने जलाशयों और तालाबों की सफाई और पुनर्निर्माण किया जा रहा है ताकि जल को संरक्षित किया जा सके। जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य जल संसाधनों का संरक्षण और पुनर्जनन, भूजल स्तर में वृद्धि, और जल संरक्षण के प्रति बढ़ाना है।

-हर्षवर्धन पाण्डे

जल का उचित उपयोग और संरक्षण न केवल हमारे आज के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार का जल गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह अभियान जल, जंगल, जमीन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।यह अभियान राज्य के जल स्रोतों, नदियों, तालाबों और जलाशयों की रक्षा और पुनर्जीवन पर केंद्रित है। जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देने और भूजल स्तर में सुधार लाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। 30 मार्च 2025 से शुरू होकर 30 जून 2025 तक चलने वाला यह 90-दिवसीय अभियान उज्जैन की पवित्र क्षिप्रा नदी के तट से शुरू हुआ, जिसका समापन भी उज्जैन में ही होगा।

इस अभियान के तहत न केवल जल स्रोतों की सफाई और पुनर्जीवन पर काम किया जा रहा है, बल्कि जल संचयन के उपायों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत पुराने जलाशयों और तालाबों की सफाई और पुनर्निर्माण किया जा रहा है ताकि जल को संरक्षित किया जा सके। जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य जल संसाधनों का संरक्षण और पुनर्जनन, भूजल स्तर में वृद्धि, और जल संरक्षण के प्रति बढ़ाना है। इस अभियान के तहत जहाँ प्रदेश भर में पुराने तालाबों, कुओं, बावड़ियों और नदियों की सफाई और गहरीकरण किया जा रहा है वहीं नई जल संरचनाओं का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। वर्षा जल को संग्रहित करने की दिशा में पूरे प्रदेश में इस समय गंभीर प्रयास हो रहे हैं। राज्य में नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए जल गंगा अभियान के तहत विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा शहरों और ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए टैंक का निर्माण किया जा रहा है, ताकि मानसून के दौरान

पानी का संचयन किया जा सके और जल संकट को रोका जा सके। जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पौधारोपण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। युवा पीढ़ी को जल संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए रैलियाँ, जल चौपाल, और प्रदर्शनियाँ आयोजित की जा रही हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का व्यापक प्रभाव मध्यप्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में देखा जा सकता है। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता जन-भागीदारी है। सरकार ने इसे केवल सरकारी आयोजन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि विभिन्न सामाजिक संगठनों, ग्राम विकास समितियों और आम नागरिकों को इसमें शामिल किया है। प्रदेश में 1.06 लाख जल दूत तैयार किए गए हैं जो जल स्रोतों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। ये जलदूत स्थानीय स्तर पर जल संरचनाओं के रख-रखाव और जल संरक्षण का कार्य करेंगे। धार जिले में ग्राम विकास प्रस्फुरण समितियों ने श्रमदान के माध्यम से तालाबों और कुंडों की सफाई की जिससे सामुदायिक सहभागिता को बल मिला है। सरकारी विभागों के साथ-साथ एनजीओ और स्थानीय समाज से जुड़े लोग भी इस अभियान का हिस्सा बनकर जल संरक्षण में सहयोग दे रहे हैं। गांवों में जल संरक्षण समितियाँ बनाकर उन्हें सक्रिय किया गया है। अभियान के तहत प्रदेश भर में जल संरक्षण के अनेक कार्य किये जा रहे हैं। बालाघाट जिले में सर्वाधिक 561 खेत तालाब बनाए गए हैं। प्रदेश में अनूपपुर जिला 275 खेत तालाब बनाकर दूसरे क्रम और अलीराजपुर जिला 216 खेत तालाब बनाकर तीसरे क्रम पर है। अमृत सरोवर निर्माण के लिए सिवनी जिले में सबसे अच्छा कार्य हुआ है। टीकमगढ़ में 70 प्राचीन तालाबों और 10 बावड़ियों के निकट क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाकर उन्हें स्वच्छ और सुंदर बनाने का कार्य हो रहा है। सागर में नदियों को पुनर्जीवित करने के कार्य भी किए जा रहे हैं। उज्जैन में पंचक्रोशी यात्रा के मार्ग में अभियान के तहत जल संरक्षण से संबंधित अनेक कार्यों को किया जा रहा है। आदिवासी झाबुआ जिले में कुओं की सफाई से जल स्तर में अपेक्षित सुधार हुआ है। यह अभियान/ न केवल जल संकट से निपटने में सहायक होगा, बल्कि किसानों के लिए सिंचाई और पेयजल की उपलब्धता भी सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है जिसका संरक्षण और संवर्धन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। हम अगर जल की बूंद-बूंद बचाएंगे, तभी हमारी सांसें बचेंगी। जल गंगा संवर्धन अभियान मध्यप्रदेश सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जो जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रही है। यह अभियान न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए जल संकट का समाधान प्रस्तुत करता है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी एक सुरक्षित और समृद्ध कल सुनिश्चित करता है।

पाक के खिलाफ कूटनीतिक एवं रणनीतिक दबाव जरूरी

निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया से वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वरा भूमि बनने दिया? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था।

– ललित गर्ग

पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में है जो कमजोर है, असफल है, कर्ज में डूबा है, अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है, आतंक की नर्सरी एवं प्रयोगशाला है, ढहती अर्थव्यवस्था है, इन बड़ी नाकामियों को ढ़कने के लिये ही वह कश्मीर का राग अलापता रहा है, वहां के नेता एवं सैन्य अधिकारी तमाम जर्जरताओं एवं निराशाओं के बावजूद आज भी हिन्दू और भारत विरोध को ढ़ाल बनाकर ही अपनी सत्ता मजबूत करते रहे हैं। लेकिन अब उसका चेहरा इतना बदनुमा बन गया है कि उसने धर्म के नाम पर निर्दोष एवं बेगुनाह लोगों का खून बहाना शुरु कर दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया में आतंक को फैलाने में अपनी जमीन, संसाधन एवं ताकत का प्रयोग खुलेआम करना शुरु कर दिया है, यह उसकी बौखलाहट ही है, यह उसकी निराशा ही है, यह उसकी विकृत सोच ही है। इस घिनौनी सोच का पर्दापाश पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले के रूप में पूरी दुनिया के सामने हुआ है। विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों एवं चीन ने इसे अनदेखा ही किया। लेकिन इस बार की पहलगाम घटना ने इन देशों के साथ पूरी दुनिया को झकझोर दिया है और पाकिस्तान के प्रति उनकी सोच बदली है।

निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया से वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वरा भूमि बनने दिया? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। सोचने वाली बात तो यह भी है कि उसने इस्लाम एवं मुसलमान समुदाय को भी अपने गलत एवं गंदे मनसूंबों के लिये इस्तेमाल किया। यह कारण है कि अपने धर्म को धुंधलाने एवं बेजा इस्तेमाल का फल उसे तमाम असफलताओं एवं पराजयों के रूप में मिला है, अन्यथा इस्लाम का पवित्र उपयोग करने वाले देश तो दिनोंदिन आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हो रहे हैं, अपने लोगों को उन्नत जीवन प्रदत्त कर रहे हैं, दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाकर खड़े है।

दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया। भारत को नुकसान पहचाने की नीति पर वह आज भी कायम है। भारत की अलग-अलग समय की सरकारों ने अनेक कोशिशें पाकिस्तान से संबंध सुधारने की है, लेकिन पाकिस्तान सुधरा नहीं। भारत के संबंध सुधार, शांति एवं पडोसी देश-धर्म के प्रयासों का जबाव उसने हमेशा आतंकवादी घटनाओं के रूप में ही दिया। भारत के इन सकारात्मक प्रयासों के बदले कभी कारगिल मिला, कभी पठानकोट, कभी उरी तो कभी मुंबई। लेकिन इस बार के पहलगाम के नृशंस आतंकी हमले के बाद हर भारतीय, यहां तक हर कश्मीरी की जुबान पर एक ही सवाल है कि इस पाकिस्तान का इलाज क्या है? लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बड़ा और आरपार का करने के मुड़ में है। अब तक प्रधानमंत्रियों में वे सर्वाधिक शक्तिसम्पन्न एवं हौसल्ले वाले महानायक है।

पाकिस्तान इस समय बहुआयामी संकट का सामना कर रहा है, आंतरिक असंतोष, आर्थिक पतन एवं घटती अन्तर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता के चलते वह बौखलाहट का शिकार है। इसी का परिणाम है कि वह भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से वह अपने ही पांव पर कुल्हाडी चलाता हुआ दिख रहा है। चीन पर उसका भरोसा भी उसे निराश ही करेगा।

मजदूरों के महत्व को दर्शाता मजदूर दिवस

– रमेश सर्राफ धमोरा

मजदूर दिवस मजदूरों के महत्व को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर ऐसा

हो नहीं पाया है। भारत में 90 फीसदी मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं जिनको सभी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। देश में श्रमिक वर्ग की संख्या संगठित व असंगठित क्षेत्र में 50 करोड़ से ज्यादा है। भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरुआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2025 में वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क की थीम है। स्वास्थ्य और सुरक्षा में क्रांति, कार्यस्थल पर एआई और डिजिटलाइजेशन की भूमिका। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कार्यस्थल को और ज्यादा सुरक्षित और सेहतमंद बनाने में किया जाएगा। स्मार्ट हेलमेट्स, सेफ्टी सेंसर, ऑटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम ये सब भविष्य की सुरक्षा के अहम हिस्से बनेंगे। यह थीम हमें इस बात के लिए तैयार करती है कि हम तकनीक का सही इस्तेमाल करते हुए कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित कर सकें।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है। महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने 'काम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।

खास बात

राहुल गांधी की सकारात्मक सोच

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 29 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली और पूर्व संसदीय क्षेत्र अमेठी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। इससे पहले लखनऊ एयरपोर्ट पर राहुल का कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इसके बाद राहुल रायबरेली पहुंचे और जिस तरह से उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और लोगों से मिले उससे संदेश गया कि वो सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने वाले नेता हैं न कि लकीर के फकीर बने रहने वाले। इसी सकारात्मकता के साथ राहुल गांधी ने रायबरेली के कुंदनगंज में मेगावॉट एटम सोलर रूफ प्लांट और एटम इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन भी किया। इससे क्षेत्र और देश की प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी उजागर हुई। अब राजनीतिक गलियारे में कहा जा रहा कि अन्य नेताओं को भी इसी तरह सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए, ताकि सच में सभी का भला हो सके।

पाकिस्तान क्यों नहीं आ रहा बाज

भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से तनाव बढ़ता ही जा रहा है। दरअसल पाकिस्तान आतंकवादियों पर कार्रवाई करने की जगह लगातार छठवें दिन भी नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सीजफायर का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी करता रहा है। यह अलग बात है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया है। बावजूद इसके पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज आने को तैयार नहीं है। यहां अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान से आपसी बातचीत से मसले का हल निकालने की अपील की है, लेकिन इससे क्या क्योंकि पाकिस्तान जानता है कि वह अपने पाले हुए आतंकियों के आगे खुद बोना साबित हो रहा है। ऐसे में उसके पास भारत से दुश्मनी निभाने और सीमा पर घुसपैठ कराने या आतंकी हमले कराने के सिवा कुछ बचता नहीं है। विशेषज्ञ इस तरह के आरोप नहीं लगा रहे बल्कि सच्चाई बता रहे, जिसे समय रहते पाकिस्तान की आवाम समझ जाए तो भला हो, वर्ना देश का बेड़ागर्क तो हो ही रहा है।

अखिलेश के सवाल जवाब कौन देगा?

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर केंद्र सरकार से गंभीर सवाल किए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने पोस्ट करते हुए पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था पर जहां चिंता जताई वहीं चार अहम सवाल भी कर दिए। इन सवालों के जरिए उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे को भी घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जा रहा है कि सांसद अखिलेश के सवाल खासे चुभने वाले हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि चौथ, गुरुवासरे, मृगशिरा नक्षत्रे, अल्प योगे, विवकरणे, मिथुन की चंद्रमा, भद्रा 35/38, विनायकी चौथ व्रत, रवियोग 33/03 रिक्ता, लघु वृक्षारोपण दुरागमन तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, योगी-भोगी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपाल तथा उत्तमगति वाला धनी होगा।

मेष राशि : उद्विग्नता से बचिये, मानसिक बेचैनी, प्रत्येक कार्य में विलम्ब होगा, समय का ध्यान रखें।

वृष राशि : आकस्मिक भ्रम, शक्ति-शरीर क्षमता में कमजोरी होगी, आपका ध्यान बट जायेगा।

मिथुन राशि : योजनायें फलीभूत होंगी, आकस्मिक चिन्तायें बनी रहेंगी, बिगड़े कार्य बन जायेंगे।

कर्क राशि : सोचे हुये कार्य बनेंगे, योजनायें फलीभूत होंगी, इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, ध्यान दें।

सिंह राशि : आशानुकूल सफलता, कुछ चिन्ता बनेगी, अर्थ-व्यवस्था अच्छी तथा मजबूत बनेगी।

कन्या राशि : व्यवसाय कार्य व्यवस्था से संतोष, कुटुम्ब में शांति होगी, कार्य बनेंगे।

तुला राशि : अनायास दूसरे के कार्य में हस्ताक्षेप न करें, हस्ताक्षेप करने से हानि व कष्ट होगा।

वृश्चिक राशि: समृद्धिवर्धक योग बनेंगे, अधिकारी वर्ग का समर्थन मिलेगा, बिगड़े कार्य बनेंगे।

धनु राशि : समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, शुभ समाचार मिलें, हर्ष होगा।

मकर राशि : स्त्री-शरीर कष्ट, कुटुम्ब में सुखवर्धक योजनायें पूर्ण होंगी, कार्य पर ध्यान दें।

कुंभ राशि : दुर्घटना से आप अवश्य बचिये, कुटुम्ब की समस्याओं से परेशानी अवश्य बनेगी।

मीन राशि : स्थिति में सुधार, कार्य-व्यावसाय अनुकूल, अधिकारी वर्ग से तनाव बनेगा।

-पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

1 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.17 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	08.15 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.29 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.45 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.57 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.07 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.22 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.38 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.43 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	कुंभ	01.30 बजे से
		मीन	03.02 बजे से
		मेष	04.33 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 121 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 11.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 14.21 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 08.34 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 11.24 बजे तदनन्तर बव 22.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 05'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872331
जूलियन दिन 2460796.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद **तारीख** 02
विशेष विनायक चतुर्थी, अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

पुलिस की विशेष टीमें रोहिंग्या-बांग्लादेशियों की कर रहीं तलाश

वाराणसी। वाराणसी पुलिस का कहना है कि उन्हें पर्यटन स्थलों पर रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के मूवमेंट का इनपुट मिला है। यहां तक कि रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, मंदिरों और अन्य प्रमुख स्थलों पर ये लोग फेरीवाला और मांगने वालों के वेश में रह रहे हैं। इनकी तलाश और शिनाख्ती का काम अब विशेष पुलिस की टीमें करेंगी। पुलिस के मुताबिक कई सालों से यहां रहने के कारण इन्हें भाषाई या पहनावे से पहचानना थोड़ा जटिल हो गया है। बावजूद इसके किराए का मकानों का सत्यापन और भाषाई जानकारी हासिल कर इन रोहिंग्या या बांग्लादेशियों की मौजूदगी को उजागर किया जा सकेगा। पुलिस की विशेष टीम अब सड़कों व रेल पटरियों के किनारे, गांव के बाहरी क्षेत्रों, पार्कों और खुले मैदानों में रहने वाले लोगों का भी सत्यापन कर सकेगी। ऐसा करते हुए इन लोगों को चिह्नित कर हटाया जाएगा। यहां बताते चलें कि एटीएस और एनआईए द्वारा गठित टीमें पहले से ही रोहिंग्या की तलाश में जुटी हुई हैं। तलाशी के दौरान पिछले दिनों सारनाथ से दो लोगों को पकड़ा जा चुका है। अब पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के निर्देश पर वाराणसी के काशी, गोमती और वरुणा समेत तीनों जोन की विशेष पुलिस टीमें भी इस पर प्रभावी विधिक कार्रवाई को अंजाम देंगी।

पाकिस्तान से तनाव के बीच पीएम मोदी का रूस दौरा स्थगित

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी का रूस दौरा स्थगित हो गया है। वह रूस में विक्ट्री डे परेड में भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शामिल होने वाले थे, लेकिन अब उनके कार्यक्रम को स्थगित किया गया है। माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तान से उपजे तनाव के चलते दौरे को रद्द करने का फैसला हुआ है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी 9 मई को मॉस्को में होने वाली विक्ट्री डे परेड में शामिल होने वाले थे। इसे लेकर दोनों देशों में उत्साह था, लेकिन कुछ दिन पहले ही इसे स्थगित करने की जानकारी आई है। पीएम नरेंद्र मोदी के स्थान पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सोवियत संघ की नाजीवादी जर्मनी पर दूसरे विश्व युद्ध में जीत की वर्षगांठ पर विक्ट्री डे परेड का आयोजन होता है। इस मौके पर रूस की सेना राजधानी मॉस्को में अपनी ताकत का प्रदर्शन भी करती है। यह भारत की रिपब्लिक डे परेड की तरह होता है। पीएम नरेंद्र मोदी के अलावा रूस ने कई अन्य नेताओं को भी इस मौके पर आमंत्रित किया था। इनमें से एक शी जिनपिंग हैं, जो इतिहास में रूस की तरह ही साम्यवादी मुल्क रहा है।

रेल एडीजी के आवास के दरवाजे पर कार ने मारी टक्कर, पुलिस जांच में जुटी

पटना। पटना में पंचमुखी हनुमान मंदिर से सटे रेल एडीजी के आवास के पास सड़क हादसा हुआ है। एक अनियंत्रित एसयूवी कार ने दरवाजे में टक्कर मार दी। इससे दरवाजा और कार दोनों क्षतिग्रस्त हो गए हैं। फिलहाल पुलिस ने गाड़ी जब्त कर ली है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। कार में 3 लोग सवार थे। चालक सहित तीनों नशे में थे। रेल एडीजी बच्चू सिंह मीणा के आवास के पास कार पहुंची, तब ड्राइवर ने दरवाजे में जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। गेट पर सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौक पर पहुंचकर पुलिस ने कार सवार घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। गाड़ी से शराब की एक बोतल भी मिली है। पुलिस ने बताया कि तीनों को हिरासत में ले लिया गया है। दो झारखंड और एक शख्स सहारनपुर का रहने वाला है। फिलहाल पटना के कृष्णापुरी इलाके में रह रहे हैं। तीनों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है। गाड़ी जब्त

पाकिस्तानी झंडे हटाए, सीजफायर तोड़ने पर भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी दी

पाक ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर चौकियां खाली कीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पहलगाम हमले के 8 दिन बाद बुधवार को पाकिस्तानी सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर कई पोस्ट खाली कर दी हैं। पाकिस्तानी सेना ने इन पोस्ट से झंडे भी हटा लिए हैं। कठुआ के पर्गवाल इलाके में ये पोस्ट खाली की गई हैं।

पाकिस्तानी सेना स्भ्ष्ट पर लगातार सीजफायर वॉयलेशन कर रही है। पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को पहली बार इंटरनेशनल बॉर्डर पर भी सीजफायर तोड़ा। जिसका भारतीय सेना ने तुरंत जवाब दिया।

भारत और पाकिस्तान के मिलिट्री ऑपरेशन के महानिदेशकों ने हॉटलाइन पर बातचीत की और पाकिस्तान द्वारा बिना उकसावे के संघर्ष विराम उल्लंघन पर चर्चा की। भारत ने नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना द्वारा बिना उकसावे के किए जा रहे संघर्ष विराम उल्लंघन के खिलाफ पाकिस्तान को चेतावनी दी।

इस बीच, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का नए सिरे से गठन किया है। पूर्व रॉ चीफ आलोक जोशी को इसका चेयरमैन बनाया गया है। प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट

कमेटी बैठक खत्म हो गई है। एसएससी की यह दूसरी मीटिंग है, पहली मीटिंग पहलगाम अटैक के अगले दिन 23 अप्रैल को हुई थी। एसएससी की बैठक के तुरंत बाद कैबिनेट कमेटी ऑन पार्लियामेंट्री अफेयर्स, आर्थिक मामलों की कमेटी और केंद्रीय कैबिनेट की बैठक होगी।

राहुल ने कहा- सरकार एक्शन लें, समय बर्बाद ना करे: राहुल ने कहा, मैं आज कानपुर गया। मैंने पहलगाम हमले के विक्टिम से बात की। उन्हें बुरी तरह से मारा गया। मैं इस पर कमेंट नहीं करना चाहता हूं कि ये कैसे हुआ, क्यों हुआ? मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि जिन लोगों ने किया, वे जहां भी हैं, उन्हें भुगतना होगा। और पूरी तरह से सजा देनी होगी। उन्हें आलतू-फालतू तरीके से नहीं बल्कि पूरी तरह से सजा देनी होगी। ताकि उन्हें याद रहे कि हिंदुस्तान के साथ ऐसा नहीं किया जा सकता। हमने क्लीयर लाइन दी है कि जो हुआ है वह स्वीकार नहीं है। पूरा-पूरा विपक्ष 100त्न समर्थन दे रहा है। नरेंद्र मोदी को एक्शन लेना होगा और वह भी सख्त। सरकार को समय बर्बाद नहीं करना चाहिए।

पाकिस्तान का शेयर बाजार आज 3,500 अंक गिरा: पाकिस्तान के शेयर बाजार में बुधवार (30 अप्रैल) को 3,500 से ज्यादा पॉइंट्स की गिरावट देखने को मिली। शाम 4 बजे बाजार बंद होने तक बेंचमार्क इंडेक्स कराची स्टॉक एक्सचेंजचस्क्ष्-100 में 3,545.61 (3.09त्न) की गिरावट रही। ये 1,11,326 के स्तर पर बंद हुआ। जबकि पिछले दिन मंगलवार को इंडेक्स 1,14,872.18 के स्तर पर था। एक्सपर्स्ट के मुताबिक बाजार में गिरावट मंत्री अताउल्लाह तरार के बयान के कारण रही। अताउल्लाह ने बुधवार को कहा कि भारत अगले 24-36 घंटे में पाकिस्तान पर मिलिट्री एक्शन की प्लानिंग कर रहा है। इस बयान के चलते बाजार में पैनिक क्रिएट हुआ और निवेशकों ने भारी बिकवाली की।

गैंगस्टर लॉरेंस की पाकिस्तान को धमकी- घर में घुसकर मारेंगे; पहलगाम हमले का बदला लूंगा: कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने की धमकी दी है। लॉरेंस ग्रुप ने इसको लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। जिसमें पाकिस्तानी आतंकी हाफिज सईद की फोटो पर क्रॉस लगाया है। इसमें लॉरेंस गैंग ने लिखा- तुमने हमारे निर्दोष लोगों को मारा है।

भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी दी

भारत और पाकिस्तान के मिलिट्री ऑपरेशन के महानिदेशकों ने कल हॉटलाइन पर बातचीत की और पाकिस्तान द्वारा बिना उकसावे के संघर्ष विराम उल्लंघन पर चर्चा की। भारत ने नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना द्वारा बिना उकसावे के किए जा रहे संघर्ष विराम उल्लंघन के खिलाफ पाकिस्तान को चेतावनी दी।

तेजस्वी का सपना मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसा, जो पूरा नहीं होगा : गिरिराज सिंह

पटना, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद विपक्ष की बयानबाजी और उठाए गए सवालों पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भड़क उठे। दरअसल माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य द्वारा सिंधु जल समझौता रोकने पर सवाल उठाने पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने माले को चीन का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि पानी रोकने की बात पर जनता को दोष देना गलत है, लेकिन यह वहीं लोग हैं जिन्होंने 1962 में हमारी लड़ाई के समय चीन का साथ दिया था।

वहीं तेजस्वी यादव के खुद को सीएम फेस बताने पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने तंज करते हुए कहा तेजस्वी का सपना मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसा है, जो कभी पूरा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नॉर्थ ईस्ट से लेकर किसानों और नौजवानों तक हर वर्ग से संवाद बनाए रखा है। साथ ही पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस और राजद

नेताओं के बयानों को शर्मनाक बताया है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पटना पहुंचते ही कांग्रेस के द्वारा प्रधानमंत्री पर बयान बाजी करने पर कहा कि आज सारा देश एक है निश्चित तौर पर सभी को एकजुट होना चाहिए। कांग्रेस सोशल मीडिया पर जो कुछ कर रही है या राष्ट्रीय जनता दल के लोग जो कुछ नारा लगा रहे हैं निश्चित तौर पर वह अमर्यादित है अभी एक रहने की जरूरत है।

सिंधु जल संधि रोकने के ऐलान पर आप विधायक का बड़ा बयान

जहां पानी का मामला है, पानी रोकना ठीक है

जम्मू, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद देशभर में रोष है। इस दर्दनाक हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि रोकने का ऐलान किया है। इसपर जम्मू कश्मीर के आम आदमी पार्टी विधायक मेहराज मलिक ने बड़ा बयान दिया है। आप विधायक ने कहा, जहां पानी का मामला है, पानी रोकना ठीक है, लेकिन हम उसको उतना नहीं रोक पाएंगे। चार दिन या एक महीना रोक सकते हैं, लेकिन इससे ज्यादा रोकने पर हमारे ही लोगों को नुकसान होगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को रोकना है, तब हम उससे ज्यादा

ताकत रखते हैं। मैं यह नहीं कर रहा कि पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के बीच में जंग हो, मैं चाहता हूं कि हम उनपर हमला करें। अगर हम अटैक नहीं करते हैं, तब वह कुछ महीने बाद फिर ऐसी कायराना हरकत करने वाले है।

इसके अलावा, पहलगाम में आतंकी हमले के बाद कई वीडियोज और तस्वीरें सामने आईं हैं। जिसमें कथित तौर पर धर्म पूछकर काम पर रखा और हटाया जा रहा है। ऐसी घटनाओं का संदर्भ देकर मेहराज मलिक ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने ने सदन में कहा, यह पहली बार नहीं हुआ। जम्मू-कश्मीर को मोहरा मत बनाइए। आज पूरा देश इकट्ठा है और जवाब देने का वक्त आ गया है।

मेहराज मलिक ने कहा, हमपर दाग न लगाएं, पाकिस्तान को मौका मत दें। यह मेरा घर है, मुझे पाकिस्तान से वास्ता नहीं है। वह भिखारियों का देश है। जहां खुद भूखे नंगे लोग हों, उस पाकिस्तान में मैं क्यों जाना चाहूंगा? यह दाग खत्म कर दीजिए, यह सोच खत्म कर दीजिए। मैं लोकतांत्रिक मुल्क में रह रहा हूं। यहां मेरे जैसे आदमी को बोलने का अधिकार है मैं अपने दोस्तों को हिन्दू और मुसलमान

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने पाक को दी धमकी

जम्मू, एजेंसी। कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने की धमकी दी है। इस गैंग की धमकी से जुड़ा सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है जिसमें गैंग ने लिखा है कि पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की हत्या का जवाब देने के लिए हम पाकिस्तान में घुसकर एक ऐसे आदमी को मारेंगे, जो एक लाख के बराबर होगा। पोस्ट में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का फोटो भी लगा है और उस पर क्रॉस का चिह्न लगाया गया है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। भारत में कई आपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुका लॉरेंस बिश्नोई गिरोह

अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने गुनाहों की जिम्मेदारी लेता रहा है। हालांकि उसके इस पोस्ट में कितनी सच्चाई है और क्या इसे गैंग ने ही पोस्ट किया है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। अक्सर लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर पाकिस्तानी गैंगस्टरों और डॉन से रिश्ते रखने के आरोप लगते रहे हैं। कई अपराधों में पुलिस लॉरेंस बिश्नोई के पाकिस्तान से रिश्तों की बात कहते हुए सबूत भी दे चुकी है लेकिन जेल से हुए लॉरेंस बिश्नोई के कथित इंटरव्यू में वह इस बात को नकार चुका है। लॉरेंस बिश्नोई ने खुद को देशभक्त कहते हुए बार-बार दावा किया था कि देश के दुश्मनों से उसके कोई रिश्ते नहीं हैं। इसके विपरीत पिछले साल लॉरेंस बिश्नोई का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी को ईद की बधाई दे रहा था। यही नहीं, गैंग के शूटरों को हथियारों की सप्लाई भी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए होती है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में पाकिस्तान से आए एके-47 राइफल के अलावा पॉइंट 30 बोर और नौ एमएम पिस्टल का इस्तेमाल हुआ था।

भारत को पहलगाम हमले में मिले अहम सबूत, साफ इशारा हमले में पाकिस्तान शामिल

श्रीनगर, एजेंसी। लश्कर के आतंकी सैफुल्लाह कसूरी के आदेश पर 5 कमांडरों ने पहलगाम हमले की साजिश रचकर हमला कराया था।

खुफिया सूत्रों के मुताबिक उनकी जांच में कई अहम सबूत मिले हैं, जिससे साफ होता हैं कि पहलगाम हमले में लश्कर ए तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के अलावा जैश ए मोहम्मद भी शामिल था। हमले का मास्टरमाइंड लश्कर का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी के अलावा जैश ए मोहम्मद का आतंकी रऊफ असगर भी हो सकता है, जो भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों में से एक है और जैश ए मोहम्मद के सरगना आतंकी मसूद अजहर का भाई है। सूत्रों ने बताया कि जिस तरह से पहलगाम में सैलानियों के ऊपर हमला हुआ है और नाम पूछ कर आतंकियों ने मौत के घाट उतार दिया। ठीक वैसा ही हमला 7 अक्टूबर 2023 को डेढ़ साल पहले इजरायल के रीम शहर में हुआ था। इसतरह हमास स्टाइल हमले की कड़िया जोड़ते समय खुफिया सूत्रों के सामने कई सबूत सामने आए हैं।

पीओके के रावलकोट में 5 फरवरी को जैश ए मोहम्मद और हमास के आतंकियों का मजमा लगा था। यह मजमा कश्मीर में जिहाद फैलाने को लेकर किया गया था। तभी रावलकोट की सड़कें जैश के आतंकियों से पटी पड़ी थी और एसपी लेवल के पुलिस अधिकारी भी आतंकियों के पीछे पीछे चल रहे थे और आतंक के मज़मे में शिरकत लेने जैश कमांडर मसूद इलियासी, आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के प्रमुख आतंकी मसूद अज़हर का भाई तल्हा अल सैफ और आतंकी संगठन हमास का ईरान में प्रतिनिधि खालिद क़यूमी और मौलना सईद यूसुफ़ पहुँचे थे, जिसमें तल्हा अल सैफ और खालिद क़यूमी वॉबी 555 गाड़ी में पहुंचे थे।

विरुधुनगर के पटाखा गोदाम में विस्फोट, लाखों का नुकसान

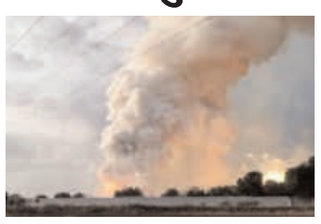

विरुधुनगर, एजेंसी। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में सत्तूर के करीब मुथंडियापुरम गांव में एक पटाखा गोदाम में भीषण विस्फोट हुआ। घटना सुबह के समय हुई, जब गोदाम में कोई मौजूद नहीं था। धमाके की आवाज सुनकर लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलने पर दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि विस्फोट का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। इस हादसे में करीब 50 लाख रुपये मूल्य के पटाखों का नुकसान हुआ।

जानकारी के मुताबिक, गोदाम के करीब पहले भी असुरक्षित गतिविधियां देखी गई थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। घटना ने क्षेत्र में अवैध पटाखा भंडारण और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है। वहीं, दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया कि गोदाम में सुरक्षा उपायों का अभाव था, जिसके कारण आग तेजी से फैली।

पहलगाम हमले में मारे गए शुभम के घर कानपुर पहुंचे राहुल गांधी

कानपुर, एजेंसी। रायबरेली से सांसद राहुल गांधी पहलगाम हमले में मारे गए शुभम के घर कानपुर पहुंचे। राहुल गांधी ने यहां परिजनों से मुलाकात की। जैसे ही राहुल गांधी पर शुभम की पत्नी ऐशन्या की नजर पड़ी तो वह रोने लगी। इस पर राहुल गांधी ने ऐशन्या को गले लगाकर सांत्वना दी। राहुल गांधी ने पहलगाम हमले के बारे में पूछा। इस पर ऐशन्या ने बताया कि कैसे शुभम की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। ऐशन्या बोली, पहलगाम में कोई सिक्योरिटी नहीं थी। आतंकवादी आए और धर्म पूछताछ गोलियां बरसाने लगे। इस दौरान राहुल गांधी ने शुभम के परिजनों को हर संभव मदद दिलाने का भरोसा भी दिलाया। राहुल गांधी शुभम के घर करीब 28 मिनट तक रुके इसके बाद वह चकेरी एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी शुभम के घर पहुंचेंगे।

पलक्कड़ में एक विशेष स्कूल का नाम हेडगेवार के नाम पर रखने पर विवाद

'जिन्ना स्ट्रीट' नहीं बनने देगी भाजपा

पलक्कड़, एजेंसी। केरल के पलक्कड़ नगर पालिका में एक विशेष स्कूल का नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक डॉ.के.बी. हेडगेवार के नाम पर रखने के फैसले से विवाद हो गया है। इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और विपक्षी दलों कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई(एम)) के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली, जिसके चलते नगर पालिका की बैठक में हंगामा और हिंसक झड़पें हुईं।

टीवी पर दिखाए गए दृश्यों में भाजपा और एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) एवं यूडीएफ (यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) के पार्षदों के बीच झड़प हुई हैं, क्योंकि हॉल में मौजूद पुलिस ने दोनों समूहों को अलग करने और उन्हें बाहर ले जाने की कोशिश की। एलडीएफ और यूडीएफ पार्षद हाथों में तख्तियां लिए थे जिस पर अंग्रेजी में लिखा था, ''हू इज दिस हेडगेवार'' (यह हेडगेवार कौन है)। पार्षदों ने मलयालम में लिखी तख्तियां भी ली हुई थीं जिसमें भाजपा से उसके इस कदम के लिए माफी मांगने की मांग की गई थी।

उन्होंने परिषद हॉल में तख्तियां लहराईं और हेडगेवार के नाम पर रखने के फैसले पर नगरपालिका और भाजपा के खिलाफ नारे लगाए। भाजपा पार्षद भी अपनी तख्तियां लेकर आए थे, जिसमें उन्होंने कहा कि वे पलक्कड़ में 'जिन्ना स्ट्रीट' नहीं चाहते हैं, वे चाहते हैं कि इसका नाम बदलकर 'कलिक्कारा स्ट्रीट' रखा जाए, जो कि इसका मूल नाम है।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए और अपनी तख्तियां लहराईं। हालांकि बाद में यह उनके बीच झड़प में बदल गई और पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। इसके बाद, दोनों पक्षों ने हॉल के बाहर अपना प्रदर्शन जारी रखा।

भाजपा के एक पार्षद ने कहा, ''हमने पहले कभी इस मुद्दे को नहीं उठाया। चूंकि वे (एलडीएफ-यूडीएफ) नगर पालिका के फैसले (केंद्र का नाम हेडगेवार के नाम पर रखने) का विरोध कर रहे हैं, इसलिए हम अब यह मांग उठा रहे हैं।' नगर पालिका ने 11 अप्रैल को कौशल विकास केंद्र की आधारशिला रखने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसके बाद से पलक्कड़ में संस्था का नाम हेडगेवार के नाम पर रखने को लेकर विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस, उसकी युवा शाखा और वामपंथी संगठनों ने केंद्र का नाम आरएसएस संस्थापक के नाम पर रखे जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया।

जेवर एयरपोर्ट से बॉटेनिकल गार्डन तक बसों के 3 रूट तय

जेवर। *जेवर एयरपोर्ट से बॉटेनिकल गार्डन तक बस संचालन के लिए तीन रूट निर्धारित हो गए हैं। इन रूट पर रोडवेज के साथ ही निजी बसों के संचालन के लिए परमिट मिलेगा। गाजियाबाद आरटीओ की अध्यक्षता में अगले सप्ताह होने वाली बैठक में बसों की संख्या समेत कई अन्य बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार होगी। एयरपोर्ट से तीन नए रूट पर जुलाई तक बस संचालन की योजना तैयार की जा रही है। राज्य सड़क परिवहन विभाग ने नोएडा एयरपोर्ट से बॉटेनिकल गार्डन तक तीन नए बस रूटों का निर्धारण किया है, इन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की मंजूरी भी मिल चुकी है। इनमें सबसे प्रमुख रूट नोएडा एयरपोर्ट से परी चौक होकर बॉटेनिकल गार्डन तक का है। इस 42 किलोमीटर लंबे रूट का लाभ एयरपोर्ट आने वाले यात्री को मिलेगा। उन्हें ग्रेटर नोएडा पहुंचने में आसानी होगी। इसके अलावा रबुपूरा से नोएडा सेक्टर-37 बॉटेनिकल गार्डन के लिए भी 57 किलोमीटर लंबा रूट निर्धारित किया गया है। इस रूट पर नोएडा के सेक्टर-20, सेक्टर-21 होते हुए।*

इस्राइल ने गाजा पर किया जोरदार हमला

12 लोगों की मौत, तीन बच्चे भी शामिल

गाजा, एजेंसी। गाजा में इस्राइल ने एक बार फिर जोरदार हमला किया। इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई, जिसमें तीन बच्चे भी शामिल थे। वहीं दूसरी ओर वेस्ट बैंक में पत्रकार अली समौदी को आतंकवादी संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

इस्राइल और हमास के बीच का संघर्ष दिन-प्रतिदिन और घातक होता हुआ जा रहा है। इसी बीच बुधवार को गाजा में इस्राइल ने एक बार फिर जोरदार हमला किया। इस हमले में लगभग 12 लोगों की मौत हो गई, जिसमें तीन बच्चे भी शामिल है। अल-अक्सा अस्पताल के मुताबिक,

हमले नुसेरात शरणार्थी शिविर के तीन घरों पर किए गए। बच्चों में दो सगे भाई थे, जिनके शवों के टुकड़े अस्पताल पहुंचे।

वेस्ट बैंक में पत्रकार अली समौदी गिरफ्तार: इस्राइली सेना ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक के जेनिन शहर में छापेमारी कर पत्रकार अली समौदी को गिरफ्तार किया। समौदी पहले ष्टह्नह्न और अल-जज़ीरा के लिए काम कर चुके हैं। 2022 में वे उस गोलीबारी में घायल हुए थे जिसमें पत्रकार शिरीन अबू अकलेह की मौत हुई थी। इस्राइली सेना ने आरोप लगाया कि समौदी इस्लामिक जिहाद से जुड़े हैं और उन्होंने उसके लिए पैसे भेजे, हालांकि कोई ठोस सबूत नहीं दिया गया।

लेबनान ने अमेरिका से इस्राइल पर दबाव डालने को कहा: लेबनान के राष्ट्रपति ने अमेरिकी सैन्य प्रतिनिधिमंडल से इस्राइल पर दबाव डालने की अपील की है ताकि वह अब भी कब्जे में रखे गए लेबनानी कैदियों को रिहा करे और सीमा क्षेत्र से पीछे हटे। इस बैठक में अमेरिका के नए प्रतिनिधि मेजर जनरल माइकल जे. लीनी भी शामिल हुए।

गाजा पर नहीं थम रहा इस्राइल का हमला

बता दें कि पिछले महीने हमास के साथ युद्धविराम खत्म होने के बाद से इस्राइल गाजा पर रोज हमले कर रहा है। मार्च की शुरुआत से ही गाजा में 20 लाख लोगों को भोजन और दवा जैसी जरूरी चीजों की आपूर्ति रोक दी गई है, ताकि हमास पर बंधकों की रिहाई को लेकर दबाव बनाया जा सके। इस सप्ताह गाजा सिटी और बेइत लाहिया में भी दो दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं बात अबतक की करें तो स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक गाजा में 52,000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

---

21 विधायकों ने की गृहमंत्री शाह से सरकार के गठन की मांग, पत्र में लिखा

राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद भी राज्य में शांति नहीं

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के 21 विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राज्य में सरकार बनाने की मांग की है। ये विधायक मणिपुर में शांति बहाली और सामान्य स्थिति की ओर कदम बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। पत्र में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद शांति नहीं हो पाई है, जिसके कारण लोग हिंसा फिर होने की आशंका जता रहे हैं।

गौरतलब है कि 13 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। इसके बाद से मणिपुर की विधानसभा का कार्यकाल निलंबित कर दिया है और राज्य में शांति की बहाली के प्रयास किए जा रहे हैं।

मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा की स्थिति ने राज्य को काफी प्रभावित किया है।

बता दें मई 2023 से जारी हिंसा में 250 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। सीएम एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। पत्र में 21 विधायकों ने सरकार से अपील की है कि राष्ट्रपति शासन के बाद शांति और सामान्य स्थिति के लिए अब तक कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाए गए हैं। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले विधायकों में बीजेपी के 13, एनपीपी के 3, नगा पीपुल्स फ्रंट के 3 विधायक और विधानसभा के 2 स्वतंत्र सदस्य शामिल हैं। मणिपुर में अभी तक शांति और सामान्य स्थिति के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों में चिंता जताई जा रही है कि राज्य में फिर से हिंसा की स्थिति बन सकती है। कई नागरिक संगठन भी राष्ट्रपति शासन के खिलाफ सामने आकर सरकार बनाने की मांग कर रहे हैं। विधायकों का कहना है कि शांति के लिए सरकार का गठन अत्यंत जरूरी है।

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टैलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेंस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

रहाणे के दो तीन दिनों में ठीक होने की उम्मीद

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्पिनर अनुकूल रॉय ने कहा है कि एक समय दिल्ली कैपिटल्स की टीम अच्छी स्थिति में थी पर अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन ने मैच का रुख बदल दिया था। वहीं अनुकूल ने अपनी टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे की चोट को लेकर कहा कि उनके अंगूठे और अंगुली के बीच में चोट लगी है पर उम्मीद है कि वह दो-तीन दिन में ठीक हो जाएंगे। इस मैच में केकेआर से मिले 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम नौ विकेट पर 190 रन ही बना सकी। नरेन ने 29 रन देकर तीन विकेट लिए। अनुकूल ने मैच के बाद कहा, 'दिल्ली की टीम काफी सकारात्मक बल्लेबाजी कर रही थी जिससे मुकाबला थोड़ा उनके पक्ष में हो गया।

वैभव की पारी को लेकर शुभमन के बयान पर भड़के अजय जडेजा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की उस बयान के लिए आलोचना की है। जिसमें शुभमन ने वैभव सूर्यवंशी की धमामेदार पारी को लेकर कहा है कि ये उनका दिन था। वैभव ने गुजरात के खिलाफ मुकाबले में केवल 35 गेंदों में ही शतक लगाकर सभी को हैरान कर दिया था। अपनी टीम की हार से निराश शुभमन ने इस दिन को वैभव के लिए भाग्य शाली करार दिया था। शुभमन ने कहा, यह वैभव के लिए भाग्यशाली दिन रहा। उनकी पारी जबरदस्त थी और उन्होंने हालातों का पूरा लाभ उठाया। इसपर जडेजा नाराज हो गए।

इस कारण स्टार्क को नहीं मिली हैट्रिक

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने यहां कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में अंतिम ओवर में जबरदस्त गेंदबाजी जिससे लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट गिरे पर इसके बाद भी स्टार्क ने को हैट्रिक नहीं मिली। इसका कारण है उनका तीसरा शिकार रन आउट हुआ। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 19 ओवर में छह विकेट पर 195 रन बनाये। मैच का 20 ओवर स्टार्क ने किया और तीसरी और चौथी गेंद पर रोवमैन पॉवेल और फिर अनुकुल रॉय के विकेट लिए। वहीं पांचवी गेंद पर हर्षित राणा को ऑफ स्टंप के बाहर फुल टॉस गेंद फेंकी जिसपर राणा ने बड़ा शॉट लगाने का प्रयास किया पर गेंद बल्ले पर नहीं आयी पर दूसरे छोर पर खड़े आंद्रे रसेल रन लेने के प्रयास में रन आउट हो गये।

राजस्थान की टीम अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला आज

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स की टीम गुरुवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। पिछल मैच में वैभव सूर्यवंशी की रिकार्ड पारी से गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज करने से टीम के हौंसले बुलंद हैं। वैभव ने गुजरात के खिलाफ शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। राजस्थान की टीम अब इस मैच में भी वैभव से ऐसी ही पारी की उम्मीद कर रही है।

कप्तान संजू सैमसन के फिट नहीं होने के कारण वैभव ने इस सत्र में पदार्पण करते हुए अब तक कमाल की बल्लेबाजी की है। इस मैच में भी सैमसन का खेलना तय नहीं है। ऐसे में वैभव और यशस्वी जायसवाल के ही पारी शुरु करने की संभावना है। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 166 रन की साझेदारी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में देखना होगा कि वैभव मुम्बई के खिलाफ मैच में जसप्रीत बुमराह का मुकाबला किस तरह से करते हैं। इस मैच में राजस्थान की ओर से

खेल रहे वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर को भी रन बनाने होंगे। हेटमायर अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। राजस्थान की गेंदबाजी इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर पर आधारित रहेगी। वहीं संदीप शर्मा अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। वहीं दूसरी और मुम्बई इंडियंस ने इस सत्र में खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। उसने पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स को हराया था। बुमराह के टीम से जुड़ने के बाद से ही टीम को लाभ हुआ है। उसके बल्लेबाज रोहित शर्मा भी फार्म में आ गये हैं। ऐसे में रॉयल्स के गेंदबाजों की राह आसान नहीं है। उसने अब तक पांच मैच जीत लिए हैं और उसके विजय अभियान को रोकना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। मुम्बई के पास सूर्यकुमार जैसा टी20 का नंबर एक बल्लेबाज है। जिनपर अंकुश लगाना रॉयल्स के गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। अंक तालिका की बात करें तो मुम्बई दूसरे नंबर पर है। वहीं राजस्थान की टीम काफी नीचे आठवें नंबर पर है।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल, कुणाल सिंह राठौड़, रियान पराग, युद्धवीर सिंह चरक, नितीश राणा, संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेना मफाका, वानिंदु हसरंगा, महेश थीक्षाना, फजलहक फारूकी, अशोक शर्मा, जोफ्रा आर्चर।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान) सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, बेवॉन जैकब्स, रयान रिकेल्टन, रॉबिन मिंज, कृष्णन श्रीजीत, , नमन धीर, राज बावा, विग्नेश पुथुर, विल जैक्स, मिशेल सेंटनर, जसप्रीत बुमराह, अर्जुन तेंदुलकर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, लिज़ाद विलियम्स, कर्ण शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, सत्यनारायण राजू, मुजीब उर रहमान।

लक्ष्मण की पारखी नजरों ने ढूंढा आईपीएल का पहला सबसे तेज शतक लगाने वाला युवा खिलाड़ी

मुंबई, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर के इस 14 साल के लड़के ने आईपीएल में इतिहास रच दिया है। राजस्थान रॉयल्स के इस खिलाड़ी ने वहां कारनामा कर दिखाया है जो उससे पहले किसी ने नहीं किया था। लेकिन यदि पूर्व खिलाड़ी वीवीएस लक्ष्मण की पारखी नजरें नहीं होतीं, तब शायद कच्ची उम्र में वैभव सूर्यवंशी का ऐसा वैभव नहीं दिखाता। लक्ष्मण ने ही राजस्थान रॉयल्स के कोच राहुल द्रविड़ को वैभव का नाम सुझाया था। 14 साल के लड़के ने अपनी बेखौफ बैटिंग से क्रिकेट प्रशंसकों और दिग्गजों को दीवाना बना दिया है। पहले 13 वर्ष की उम्र में आईपीएल अनुबंध हासिल करने वाला खिलाड़ी बना है। इसके बाद फिर 14 वर्ष की उम्र में आईपीएल डेब्यू और डेब्यू भी ऐसा कि पहली ही गेंद पर लगा दिया शानदार छक्का। सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने वाला खिलाड़ी। इसके बाद तीसरे ही मैच में 35 गेंद में शतक बनाकर आईपीएल का सबसे तेज भारतीय शतकवीर। आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाला भारतीय बना। आईपीएल में खेल रहा इकलौता ऐसा खिलाड़ी जो 2008 में आईपीएल की शुरुआत के वक्त पैदा तक नहीं हुआ था।

कोच करवा रहे उठापटक, 16 पदक जीतने वाले यशवंत भी लगाएंगे दांव

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में खिलाड़ियों की तैयारी तेज

वाराणसी, एजेंसी। खेलो इंडिया की तैयारियों को लेकर कोच और खिलाड़ियों की तरफ से तैयारियां की जा रही हैं। सुबह-शाम अभ्यास किए जा रहे हैं। डे बोर्डिंग स्कीम के तहत तीन अखाड़ों में 100 पहलवानों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

कुश्ती की आगामी प्रतियोगिता और खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हिस्सा लेने के लिए खिलाड़ियों ने तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को कुश्ती खिलाड़ियों ने कोच रविंद्र मिश्र की देखरेख में अभ्यास किया। उमेश कुमार ने बताया कि खिलाड़ी रोज सुबह-शाम तीन-तीन घंटे अभ्यास कर रहे हैं।

खिलाड़ी दम के लिए मिट्टी के अखाड़े पर जोर आजमाइश करते हैं जबकि कुश्ती गद्दे पर लड़ते हैं। खिलाड़ी मैट पर उतरने से पहले आधा घंटे वार्मअप करते हैं। इसके बाद गद्दे पर कुश्ती खेलते हैं। खिलाड़ियों को तेजी से अटैक और विपक्षी खिलाड़ी को बिना समय दिए बाई फॉल का

प्रशिक्षण दिया जाता है। खिलाड़ी को ब्लॉक करने पर वॉर्न किया जाता है। लगातार गलती करने पर विरोधी खिलाड़ी को अंक भी दिया जाता है। अब खिलाड़ियों को दांव लगाने पर अंक दे दिए जाते हैं। राष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी यशवंत गिरी, करण यादव, कशिश आदि ने मैट पर अभ्यास किया।

साई के जिले में चार केंद्र, फिर भी खेलो इंडिया यूथ गेम्स में जिले से कोई नहीं: खेल प्रतिभाओं को तराशने और राष्ट्रीय फलक पर लाने के उद्देश्य से जिले में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से चार प्रशिक्षण केंद्रों की कार्यप्रणाली और प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो गए हैं। केंद्रों में नियमित रूप से 250 खिलाड़ियों को तैयार करने का दावा किया जाता है। अगले माह बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए जिले के इन साई केंद्रों से अभ्यास करने वाला एक भी खिलाड़ी अपनी जगह नहीं बना पाया है।

यूपी कॉलेज स्थित खेलो इंडिया प्रशिक्षण केंद्र प्रमुख है। केंद्र में तीन साल से 120 खिलाड़ियों को वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी और एथलेटिक्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए डे बोर्डिंग स्कीम के तहत तीन अखाड़ों में 100 पहलवानों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त बीएचयू में भी साई के सहयोग से 80 खिलाड़ियों को मुक्केबाजी और एथलेटिक्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंडुवाडीह के निवेदिता बालिका इंटर कॉलेज में 25 महिला पहलवानों के प्रशिक्षण की सुविधा है, लेकिन इस समय 10 महिला पहलवान ही प्रशिक्षण ले रही हैं।

कबड्डी प्रतियोगिता में हिमाचल बना चैंपियन

महिला और पुरुष टीमों ने दर्ज की जीत

शिमला, एजेंसी। प्रदेश इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की ओर से आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में हिमाचल चैंपियन बना।

हिमाचल प्रदेश इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की ओर से आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में हिमाचल चैंपियन बना। मंगलवार को अंतिम दिन पुरुष वर्ग में हिमाचल विद्युत बोर्ड ने महाराष्ट्र बिस्कॉम को 33-16 से हराकर खिताब अपने नाम किया। तीसरे स्थान पर हरियाणा पावर कॉरपोरेशन रहा। वहीं, महिला वर्ग में भी हिमाचल ने महाराष्ट्र बिस्कॉम को 30ङ्क17 से हराकर जीत हासिल की। मुकाबले में हिमाचल की टीम से साक्षी और प्रफुल्ला ने भी बेहतरीन खेल प्रदर्शन किया। महिला वर्ग में महाराष्ट्र ट्रांसमिशन तीसरे स्थान पर रहा। महिला वर्ग में बेस्ट डिफेंडर बिजली बोर्ड की साक्षी, बेस्ट रेडर महाराष्ट्र की अश्वनी शिवार और बेस्ट ऑलराउंडर बोर्ड की साक्षी रहीं।

इसी तरह पुरुष वर्ग में बेस्ट डिफेंडर बिजली बोर्ड के मुनीष नेगी, बेस्ट रेडर महाराष्ट्र के सतनाम और ऑलराउंडर महाराष्ट्र के अजय शिंदे रहे।

समापन समारोह में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर विजेताओं को पुरस्कृत किया। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल गतिविधियों को बढ़ावा दे रही है। स्कूलों में बच्चों को नशे से दूर रखने के लिए खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों पर फोकस किया जा रहा है। उन्होंने विद्युत स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की स्मारिका का विमोचन भी किया। बिजली बोर्ड के अतिरिक्त निदेशक अनुराग पराशर ने बताया कि बोर्ड की ओर से पहली बार महिलाओं की कबड्डी प्रतियोगिता करवाई है। इसमें 4 महिला टीमों ने हिस्सा लिया। जबकि पुरुष वर्ग में 14 टीमों ने भाग लिया है।

व्यापार समाचार

मोदी कैबिनेट में लिए फैसले

असम-मेघालय के बीच नया हाईवे, गन्ने के एफआरपी में किया गया इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मोदी कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट मीटिंग की ब्रीफिंग करते हुए बताया कि मोदी सरकार ने गन्ना किसानों को बड़ी सौगात दी है। गन्ने का एफआरपी बढ़ाया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि शिलॉन्ग से सिल्चर कॉरिडोर को मंजूरी दी गई है।

केंद्र सरकार की कैबिनेट की बैठक में बुधवार को कई अहम फैसले लिए गए हैं। सरकार ने असम और मेघालय के बीच नए हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी है। यह हाईवे सिलचर से शिलॉन्ग तक बनेगा। इसका निर्माण नॉर्थ ईस्ट कॉरिडोर के तहत किया जा रहा है। स्त्रइसके अलावा गन्ने के एफआरपी को बढ़ाने का एलान किया गया है। गन्ने की नई एफआरपी 355 रुपए प्रति कुंटल की गई है। वहीं मोदी सरकार आगामी मूल जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने का भी एलान किया है। बुधवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकी दी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मेघालय के मावलिंगखुंग से असम के पंचग्राम तक 22,864 करोड़ रुपये की कुल लागत से 166.80 किलोमीटर लंबे राजमार्ग के निर्माण की बुधवार को मंजूरी दे दी। एक आधिकारिक बयान

के अनुसार, इस राजमार्ग परियोजना का 144.80 किलोमीटर लंबा हिस्सा मेघालय और 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा असम में स्थित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में यह फैसला किया गया।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि मंत्रिमंडल ने मेघालय में मावलिंगखुंग (शिलांग के पास) से असम में पंचग्राम (सिलचर के पास) तक राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-06 के 166.80 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले मार्ग के विकास, रखरखाव और प्रबंधन के प्रस्ताव को हाइब्रिड एन्युटी मोड पर मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की कुल पूंजी लागत 22,864 करोड़ रुपये है।

प्रस्तावित हाई-स्पीड गलियारा गुवाहाटी से सिलचर के बीच चलने वाले यातायात के लिए सेवा स्तर में सुधार करेगा। इसके विकास से त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर और असम के बराक घाटी क्षेत्र की मुख्य भूमि और गुवाहाटी से सड़क संपर्क में सुधार होगा और यात्रा की दूरी एवं यात्रा के समय में काफी कमी आएगी।

बयान के मुताबिक, यह राजमार्ग देश की लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाने में भी योगदान देगा। यह गलियारा असम और मेघालय के बीच संपर्क में सुधार करेगा और मेघालय में उद्योगों के विकास सहित आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, क्योंकि यह मेघालय के सीमेंट और कोयला उत्पादन क्षेत्रों से होकर गुजरेगा।

गन्ना किसानों को बड़ी सौगात: सरकार ने बुधवार को अक्टूबर से शुरू होने वाले आगामी 2025-26 सत्र के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 4.41 प्रतिशत बढ़ाकर 355 रुपये प्रति क्विंटल करने का फैसला किया। चालू 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का एफआरपी 340 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। केंद्र सरकार एफआरपी तय करती है, जो अनिवार्य न्यूनतम मूल्य है।

विनिर्माण-सेवा क्षेत्र की एमएसएमई ने दो करोड़ से ज्यादा लोगों को दिए रोजगार

नई दिल्ली, एजेंसी। निजी कॉरपोरेट क्षेत्र का पूंजीगत खर्च चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.56 लाख करोड़ से लगभग 25 फीसदी घटकर 4.88 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मुताबिक, निजी कॉरपोरेट क्षेत्र में वास्तविक पूंजीगत खर्च 2021-22 में 3.94 लाख करोड़ रुपये, 2022-23 में 5.72 लाख करोड़ और 2023-24 में 4.22 लाख करोड़ रुपये था।

रिपोर्ट के अनुसार, 2021-22 से 2024-25 तक चार वर्ष की अवधि में कुल पूंजीगत खर्च 66.3 फीसदी बढ़ा है।?3,064 कंपनियों में से 2,172 ने कहा कि 2025-26 के लिए उनका इरादा पूंजीगत खर्च करने का है। हालांकि, उत्तरदाता पूंजीगत खर्च योजनाओं की घोषणा करने में सतर्कता बरत रहे हैं। निजी कॉरपोरेट क्षेत्र में प्रति कंपनी औसत सकल अचल संपत्ति (जीएफए) 2021-22 में 3,151.9 करोड़ रुपये अनुमानित की गई थी। 2022-23 में यह चार फीसदी की बढ़ोतरी के साथ?3,279.4 करोड़ रुपये हो गई और 2023-24 में 27.5 फीसदी बढ़कर 4,183.3 करोड़ रुपये हो गई।

विनिर्माण-सेवा क्षेत्र की स्त्रस्त्रध ने दो करोड़ से ज्यादा लोगों को दिए रोजगार: विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के 20 कर्मचारियों की संख्या वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान दो करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के पेरोल आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल, 2024 से फरवरी,

2025 की अवधि में इन छोटी कंपनियों के जरिये ईएमआईसी के तहत 2.09 करोड़ नए पंजीकरण हुए। मार्च का आंकड़ा आना अभी बाकी है। आंकड़ों के मुताबिक, 2024-25 में हर महीने औसतन 19 लाख नए पंजीकरण हुए। इस आधार पर पूरे वित्त वर्ष के दौरान 2.28 करोड़ रोजगार पैदा हो सकते हैं, जो एक नया रिकॉर्ड बन सकता है। हालांकि, यह आंकड़ा उन लोगों की संख्या को नहीं दर्शाता है, जो औपचारिक नौकरी बाजार से बाहर चले गए या नौकरी बदल ली। 2023-24 के दौरान ईएसआईसी के तहत कुल 2.21 करोड़ नएपंजीकरण हुए थे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, ईएसआईसी के तहत कर्मचारियों के नए पंजीकरणों में वृद्धि मुख्य रूप से नए जिलों में तेजी से विस्तार और बेहतर सेवाओं की वजह से हुई है। इससे कंपनियां और श्रमिक इसके दायरे में आ रहे हैं। अधिकारी ने कहा, ईएसआईसी में अधिकांश पंजीकरण 250 श्रमिकों तक वाले छोटे एवं मध्यम उद्यमों से थे।

आयकर विभाग ने 2025-26 के लिए आईटीआर फॉर्म में किए बदलाव

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने हाल ही में आयकर विभाग की तरफ से 2025-26 के आकलन वर्ष के लिए एक और चार आईटीआर फॉर्म जारी कर दिए गए हैं। इन नए फॉर्मों के जरिए 50 लाख रुपये तक की कुल आय वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को आसानी से आईटीआर दाखिल करने का मौका मिलेगा। इस बड़े फैसले के तहत दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पाने वाले व्यक्ति भी अब आईटीआर-1 फॉर्म भर सकेंगे, जो पहले आईटीआर-2 को भरना होता था। नए नियमों के अनुसार 50 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्ति, एचयूएफ, कंपनियां आदि वित्त वर्ष 2024-25 में व्यवसायिक और अन्य पेशेवर आय के लिए आईटीआर दाखिल कर सकेंगे। आईटीआर फॉर्म 1 और आईटीआर फॉर्म 4 सरल फॉर्म हैं जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम आय वाले करदाताओं के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने जलपोत निर्माण नीति को मंजूरी दी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य को जलपोत निर्माण, उनकी मरम्मत, पुनर्चक्रण के लिए एक प्रमुख केंद्र बनाने के लिए एक नीति मंजूर की है। जलपोत निर्माण, मरम्मत और पुनर्चक्रण नीति, 2025 के तहत इस क्षेत्र में सुविधाएं स्थापित करने वाली कॉरपोरेट संस्थाओं को पूंजीगत सब्सिडी, कौशल विकास के लिए वित्तीय सहायता और रियायती दरों पर या दीर्घकालिक पट्टे पर जमीन दी जाएगी। राज्य मंत्रिमंडल ने मुंबई में अपनी बैठक में नीति को मंजूरी दी। बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने कहा कि भारत तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में इसके रणनीतिक महत्व को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने राज्य को जलपोत निर्माण, मरम्मत और पुनर्चक्रण के लिए एक प्रमुख केंद्र में बदलने का संकल्प लिया है।

फिलिप्स को भारतीय कारोबार बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। नीदरलैंड की एक अमरीकी कंपनी फिलिप्स ने भारत में अपने कारोबार को बढ़ाने की उम्मीद जताई है। कंपनी के क्षेत्रीय प्रमुख ने बताया कि उन्हें भारत में अपने कारोबार को दहाई अंकों में बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी के अगले पांच वर्षों में भारत में बड़ी उपलब्धियों की आशा है और उसके लिए दहाई अंकों की वार्षिक वृद्धि से मदद मिलेगी। फिलिप्स के अधिकारी ने यह भी कहा कि कंपनी न केवल स्थानीय बाजारों में बल्कि अपने वैश्विक बाजारों के लिए भी घरेलू सोर्सिंग को प्रोत्साहित कर रही है।

कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर मार्च में घटकर 3.73% पर आ गई

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर मार्च 2025 में घटकर 3.73 प्रतिशत हो गई। फरवरी में यह 4.05 प्रतिशत थी। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर मार्च 2025 में घटकर 3.73 प्रतिशत हो गई। फरवरी में यह 4.05 प्रतिशत थी। बुधवार को जारी नवीनतम आंकड़ों में इसकी पुष्टि की गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मार्च 2025 में घटकर 3.86 प्रतिशत हो गई। फरवरी में यह आंकड़ा 4.10 प्रतिशत था।

श्रम मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि कृषि मजदूरों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण मजदूरों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मार्च 2025 के महीने के लिए 3 अंक और 2 अंक घटकर क्रमशः 1,306 और 1,319 अंक पर पहुंच गया। फरवरी

2025 में सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल क्रमशः 1,309 अंक और 1,321 अंक पर थे।

आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 के लिए सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल पर आधारित सालाना मुद्रास्फीति दर क्रमशः 3.73 प्रतिशत और 3.86 प्रतिशत दर्ज की गई। मार्च 2024 में यह 7.15 प्रतिशत और 7.08 प्रतिशत थी। फरवरी 2025 के लिए इसी आंकड़े सीपीआई-एएल के लिए 4.05 प्रतिशत और सीपीआई-आरएल के लिए 4.10 प्रतिशत थे।

टैरिफ वार के बीच रोजगार सृजन के दम पर आगे बढ़ेगी अर्थव्यवस्था

मुंबई, एजेंसी। मुद्रास्फीति पर रिपोर्ट में कहा गया है कि रबी फसल को लेकर अनिश्चितताएं काफी हद तक दूर हो गई हैं। दूसरे अग्रिम अनुमानों में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन एवं दाल की अधिक पैदावार से खाद्य कीमतों में और नरमी आने की उम्मीद है। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भी महंगाई के मोर्चे पर और राहत देने में मदद कर सकती है।?

टैरिफ वार और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था सही रणनीतियों, लगातार घरेलू सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार सृजन के दम पर आगे बढ़ती रहेगी। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा, भारत की दीर्घकालिक वृद्धि वृहद आर्थिक स्थिरता, लचीला बाहरी क्षेत्र, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण, घटती महंगाई, बेहतर रोजगार संभावनाओं और उच्च उपभोग खर्च से प्रेरित है। आर्थिक मामलों के विभाग की मासिक आर्थिक समीक्षा के मार्च संस्करण में कहा गया, इस स्थिरता की कुंजी निजी पूंजी निर्माण के पास है। नियामकीय उपाय निजी क्षेत्र को अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

आर्थिक वृद्धि पर बना है जोखिम: मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितताएं 2025-26 में आर्थिक वृद्धि के लिहाज से एक प्रमुख जोखिम हैं। निजी क्षेत्र और नीति निर्माताओं को इसके प्रति सचेत रहकर इसे रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

भारत के पास वैश्विक व्यापार व विनिर्माण में अपनी स्थिति मजबूत करने का अवसर: रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के जवाबी शुल्क लगाने के बाद शुरू व्यापार युद्ध और कई देशों के बीच चल रहा तनाव भारत के लिए भले ही चुनौतियां पेश कर रहा है, लेकिन यह तुलनात्मक बढ़त का लाभ उठाकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विनिर्माण में देश के लिए?अपनी स्थिति को मजबूत करने का अवसर भी है। भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर लगातार ध्यान देने के साथ भारत इन जोखिमों को कम कर सकता है। देश रणनीतिक व्यापार वार्ता, घरेलू सुधारों और विनिर्माण निवेशों में उभरते अवसरों का लाभ उठा सकता है।

महंगाई- फसलों के बेहतर उत्पादन से घटेंगी कीमतें: मुद्रास्फीति पर रिपोर्ट में कहा गया है कि रबी फसल को लेकर अनिश्चितताएं काफी हद तक दूर हो गई हैं। दूसरे अग्रिम अनुमानों में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन एवं दाल की अधिक पैदावार से खाद्य कीमतों में और नरमी आने की उम्मीद है। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भी महंगाई के मोर्चे पर और राहत देने में मदद कर सकती है। हालांकि, व्यापार तनाव और भू-राजनीतिक जोखिम जैसी वैश्विक अनिश्चितताएं आपूर्ति को बाधित करने के साथ कीमतें बढ़ा सकती हैं। कर्ज में कटौती से निजी निवेश को मिलेगी मदद मंत्रालय ने कहा, जीडीपी के अनुपात में सरकारी कर्ज में गिरावट निजी निवेश के लिए अतिरिक्त घरेलू संसाधन पैदा करेगी।

49 हजार का चेक भी मिला, विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने दिया आशीर्वाद

अक्षय तृतीया पर 419 जोड़ों का सामूहिक विवाह

रायसेन, निप्र। रायसेन में अक्षय तृतीया पर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत चार अलग-अलग स्थानों पर सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। इस आयोजन में कुल 419 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। सबसे बड़ा आयोजन सांची जनपद के ग्राम बीदपुरा में हुआ, जहां 64 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, जिनमें 24 मुस्लिम निकाह भी शामिल रहे।

बीदपुरा में आयोजित कार्यक्रम में पारंपरिक विधि-विधान से शादी की रस्में निभाई गईं। पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ सात फेरों की प्रक्रिया संपन्न कराई, वहीं मुस्लिम जोड़ों ने काजी की मौजूदगी में निकाह पढ़वाया।

विधायक ने दिया नवविवाहितों को आशीर्वाद: कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने सभी नवदंपतियों को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और सरकार की इस जनहितकारी योजना की सराहना की। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जोड़े को 51,000 की सहायता राशि योजना के तहत दी जाती है, जिसमें से 49,000 का चेक मौके पर वितरित किया गया। विधायक ने मंच से पांच जोड़ों को प्रतीक स्वरूप चेक सौंपे।

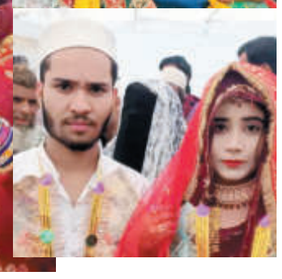

बाल विवाह रोकने के निगरानी की गई

जिले में बाल विवाह रोकने के लिए भी प्रशासन सतर्क रहा। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने सभी आयोजन स्थलों पर निगरानी रखी और विशेष दल तैनात किए। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, जनपद सदस्य, सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और अधिकारी मौजूद रहे।

किसी मियां में ताकत हो तो लव जिहाद करके दिखाए, मेरा जन्म दाढ़ी-टोपी से निपटने के लिए हुआ: आलोक शर्मा

भोपाल, निप्र। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने अक्षय तृतीया के अवसर पर ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में लव जिहाद पर जमकर बरसे। सांसद शर्मा ने कहा कि किसी मियां में ताकत हो तो अब लव जिहाद करके दिखाए। शर्मा ने कहा कि मेरा जन्म दाढ़ी टोपी से निपटने के लिए ही हुआ है।

राजधानी भोपाल में इन दिनों लव जिहाद का मामला गरमाया हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार इस मुद्दे पर बोलते नजर आ रहे हैं। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने अक्षय तृतीया के अवसर पर ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में लव जिहाद पर जमकर बरसे। सांसद शर्मा ने कहा कि किसी मियां में ताकत हो तो अब लव जिहाद करके दिखाए। शर्मा ने कहा कि मेरा जन्म दाढ़ी टोपी से निपटने के लिए ही हुआ है। वहीं उन्होंने कहा लव जिहाद करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा ब्राह्मण समाज देगा। आलोक शर्मा ने हिंदुओं से एक होने का आह्वान किया। सांसद आलोक शर्मा ने अक्षय तृतीया के मौके पर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर विधि विधान से पूजा अर्चना की।

सनातनी महिलाओं का गरबा अलग करने की मांग: आलोक शर्मा ने कहा कि पुराने भोपाल में हिंदुओं की आबादी घटती जा रही है। इसके साथ ही सनातनी महिलाओं का गरबा अलग से करने की मांग आलोक शर्मा ने की। सांसद ने बताया कि 5 जून को हिंदू समागम है, जिसमें पंडित धीरेन्द्र शास्त्री शिरकत करेंगे। आपको बता दे कि राजधानी के गुफा मंदिर में भगवान परशुराम की प्रतिमा के सामने ब्राह्मण समाज का कार्यक्रम हुआ था, जिसमें सभी ब्राह्मण समाज के सभी संगठन शामिल हुए थे

नगर को स्वच्छ बनाने की मुहिम में श्री समर्पण श्री ने मीनाक्षी चौक पर चलायाहस्ताक्षर अभियान

नर्मदापुरम, निप्र। आज श्री समर्पण श्री संस्था द्वारा नगर को स्वच्छ बनाने का संकल्प लेकर हम कार्य कर रहे हैं जिसके तहत हमने सीएमओ मैडम और कलेक्टर को ज्ञापन दिया है और विगत 3 हफ्ते होने के बाद भी उनके द्वारा स्वच्छता को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा है जिसको लेकर संस्था चार दिन पहले इंद्रा चौक पर नागरिकों के बीच जाकर स्वच्छता को लेकर चर्चा की थी और हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से नागरिकों ने संस्था का सहयोग किया एवं निष्क्रिय नगरपालिका सीएमओ को तत्काल यहां से अन्यत्र कही भेजने की शासन से अपील की थी। इसी तारतम्य में आज संस्था द्वारा स्थानीय मीनाक्षी चौक में भी नगर के व्यापारियों एवं नागरिकों के बीच जाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया जिसका समर्थन संपूर्ण जनता जनार्दन ने किया अगर अब भी स्वच्छता में सुधार नहीं हुआ तो जल्द ही श्री समर्पण श्री इसी आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए नगरपालिका के सामने उग्र प्रदर्शन करेगी एवं संस्था का एक प्रतिनिधि मंडल जल्द ही नगरीय प्रशासन मंत्री से मिलकर शहर की समस्याओं को उनके सामने रखेगा एवं निष्क्रिय सीएमओ को तत्काल यहां अन्यत्र कही भेजने का निवेदन माननीय मंत्रीजी से करेगा।

आज के हस्ताक्षर अभियान में संस्था के स्वदेश सैनी, अतुल जोशी, अंकित सराठे, रहमान खान, राज खिल्लारे,विशाल चावरिया, आकाश सोनी, रितेश मालवीय रोहित कलोसिया ऋतिक मालवीय आदि लोग उपस्थित थे।

भंडारे में हजारों की संख्या में विप्र समाज के भाई बहन और स्थानीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

नर्मदापुरम, निप्र। भगवान विष्णु के छठवें अवतार व शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता ब्राह्मण कुल गौरव भगवान परशुराम का जन्मोत्सव अक्षयतृतीया पर धूमधाम से मनाया गया। बुधवार प्रात:काल से भगवान परशुराम के पूजन अर्चन का कार्य प्रारंभ हो गया था। राजा मोहल्ले में पं अखिलेश भट्ट और पं अरूण तिवारी के आचार्यत्व में भगवान परशुराम का अभिषेक पश्चात् पूजन किया गया। रात्रि के समय विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। भगवान श्री परशुराम प्रकटोत्सव समिति राजा मोहल्ला नर्मदापुरम के सौरभ तिवारी ने बताया कि भंडारा रात्रि 7 बजे से प्रारंभ हुआ जो करीब साढे दस बजे तक चला। भंडारे में हजारों की संख्या में विप्र समाज के भाई बहन और स्थानीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान केके थापक, केएन त्रिपाठी, केएम तिवारी, संजय दुबे खालवा, राकेश दुबे भट्टी, प्रदीप दुबे, राकेश दुबे भोपाल, आलोक तिवारी, देवेन्द्र दुबे, नरेन्द्र दुबे हरदा, योगेन्द्र भट्ट, गौरव तिवारी, दिनेश दुबे, अनुराग दुबे, आनंद मूर्ति तिवारी, जगदीश तिवारी, राजकुमार तिवारी, संजीव शर्मा, शिवम् दुबे, शुभम दुबे, अभिषेक दुबे, रिपुसुदन दुबे, मुरारी तिवारी, अमित तिवारी, गोपाल तिवारी, वंश तिवारी, आशुतोष शर्मा, विवेक भट्ट, सोभित दुबे, हरिनारायण दुबे, रवि भट्ट, पब्बू, मनोज जराठे, मयंक तोमर, अनूप चौबे, अभिनाश अग्रवाल, गणेश सोनी, अजय पटेल, धीरज चौकसे कमलेश माहुले के अलावा मातृशक्ति से सरोज दुबे, निर्मला दुबे, गंगोत्री बाई, मिथलेस दुबे, प्रतिभा दुबे, सुचित्रा दुबे, वत्सला दुबे, ज्योति तिवारी, अर्चना दुबे, कंचन दुबे, सुमन तिवारी, बिनीता तिवारी, एकता दुबे, अंजली दुबे, तृप्ति दुबे, आकाश दीक्षित, निशा भट्ट, रश्मि भट्ट, आदि मौजूद रहे।

सहायक उप निरीक्षक संजीव शर्मा का सम्मान किया गया

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर प्रतिभावान छात्र छात्राओं और समाज के कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी का सम्मान किया गया। कक्षा 5वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक लाने वाले छात्र व केन्द्रीय गृहमंत्री से अति उत्कृष्ट सेवा पदक प्राप्त करने वाले सहायक उप निरीक्षक संजीव शर्मा का सम्मान किया गया।

ब्राह्मण समाज ने आतंकी हमले पर जताया आक्रोश

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव बुधवार को मनाया गया। सुभाष चौक स्थित गोपाल मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ परशुराम भगवान का अभिषेक व पूजन किया गया।आरती कर प्रसादी वितरित हुई। मंगलवार को सर्व ब्राह्मण समाज ने परशुराम भगवान की शोभायात्रा निकाली थी। बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के बच्चें, युवा व बुजुर्ग शामिल हुए थे। भगवान परशुराम को श्रीहरि विष्णु का छठवां अवतार माना जाता है। ब्राह्मण समाज के लोगों ने पहलगाम आतंकी हमले में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी। सेठानी घाट पर महाआरती: सेठानी घाट पर महाआरती की गई थी। विप्र समाज के जिला संगठन मंत्री पं.दिनेश तिवारी ने बताया कि भगवान की महाआरती की गई। विद्वानों ने मंत्रों का उच्चारण किया। इसके बाद पहलगाम में हुई आतंकी घटना पर ब्राह्मण समाज ने आक्रोश जताया और आतंकियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

राजपूत समाज का नौवां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन, 14 जोड़े का हुआ विवाह

नर्मदापुरम / राजपूत समाज कल्याण समिति नर्मदापुरम के तत्वावधान में ग्राम डोलरिया में आयोजित नौवें 'आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन' का प्रारंभ स्थानीय निजी गार्डन डोलरिया से सभी चौदह दूल्हों की बारात की निकासी के साथ हुआ। दूल्हे राजाओं की बारात सम्मेलन स्थल पर पहुंचने पर वधू पक्ष के द्वारा सभी का स्वागत वंदन और द्वाराचार किया गया। सम्मेलन स्थल पर सभी चौदह जोड़ों के व्यवस्था के अनुसार मंगल परिणय के लिए अलग-अलग चौदह कुटियों में बिठाकर सम्पूर्ण वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न करवाया गया। सम्मेलन स्थल के निकट ही सम्मेलन में पधारे सभी सामाजिक बंधुओं के भोजन की व्यवस्था समिति के द्वारा की गई थी, जहां पर सभी सामाजिक बंधुओं का सहभोज संपन्न हुआ। ज्ञात रहे कि कोरोनाकाल वाले वर्ष और अक्षय तृतीया का शुभ मुहूर्त नहीं होने वाले वर्षों को छोड़कर विगत लगभग पंद्रह वर्षों से श्री राजपूत समाज कल्याण समिति नर्मदापुरम के द्वारा पतलई कलां, बमूरिया, बैहराखेड़ी, सुपरली, कलमेशरा आदि गांवों में आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन का सफलता पूर्वक आयोजन हुआ। जिसमें राजपूत समाज के सभी लोगों का सराहनीय, भरपूर समर्थन सहयोग प्राप्त होता है।

हवा-आंधी से गिरा टेंट रातभर में दोबारा लगाया: डोलरिया में मंगलवार शाम को आई तेज आंधी से राजपूत समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए लगाया गया विशाल टेंट गिर गया। हालांकि, समाज के लोगों ने रातभर काम कर 200म200 मीटर का टेंट दोबारा खड़ा कर दिया, जिससे बुधवार को अक्षय तृतीया पर होने वाले विवाह कार्यक्रम में कोई व्यवधान न आए। राजपूत समाज के अजीत सिंह राजपूत ने बताया कि सम्मेलन में 14 जोड़ों का विवाह होगा।

सुबोध दुवे ब्लाक सेवादल अध्यक्ष नियुक्त

माखननगर। कांग्रेस संगठन के निष्ठावान और कर्तव्यनिष्ठ सिपाही पाटनी निवासी सुबोध कुमार दुवे (बंटी) को जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह सोलंकी ने सेवादल प्रदेश अध्यक्ष योगेश यादव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अनुशंसा व जिला कांग्रेस प्रभारी सुखदेव पांसे, प्रदेश महासचिव राजकुमार केलू उपाध्याय, जिला अध्यक्ष शिवकांत पांडे की सहमति से माखननगर ब्लाक कांग्रेस सेवादल का अध्यक्ष नियुक्त किया। श्री सोलंकी ने बुधवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरूण यादव की मौजूदगी में नियुक्ति पत्र प्रदान किया। श्री दुवे की इस नियुक्ति पर पूर्व महासचिव यशवंत सिंह राजपूत, प्रत्याशी रहे पुष्पराज पटेल सहित उनके शुभचिंतकों व कांग्रेसियों ने वरिष्ठ नेताओं का आभार मानते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

परिवारों की विवाह संबंधित चिंता समाप्त करने वाली योजना है मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना: डॉ अमृता राजे पलिया

पिपरिया/आज जनपद पंचायत पिपरिया द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें सामाजिक एवं धार्मिक कार्यकर्ता डॉ अमृता राजे पलिया सम्मिलित हुए। डॉ अमृता ने दांपत्य जीवन में प्रवेश कर रहे वर बधू को बधाई एवं शुभकामनाए दी इस अवसर पर जनपद पंचायत की अध्यक्ष कु.संध्या सिंगारे एवं पार्षद नीतू पांडे व अन्य महिलायें उपस्थित रही।

डॉ अमृता ने कहा की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कई परिवारों की विवाह संबंधित चिंता समाप्त करने वाली योजना है इस योजना के लिए उन्होंने कहा की वर्तमान मुख्यमंत्री माननीय डॉ मोहन यादव एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बधाई के पात्र है। विवाह सम्मेलन कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि,समाजसेवी, पत्रकार एवं आमजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम के लिए जनपद पंचायत की अध्यक्ष कु.संध्या सिंगारे एवं कार्यालय के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को बधाई एवं शुभकामनाए दी। साथ ही उन्होंने आमंत्रण के लिए जनपद पंचायत का

कैंप के आयोजन के संबंध में विस्तृत कार्यक्रम योजना का बैठक का आयोजन किया

बुदनी, निप्र। सीएम राइज स्कूल बुदनी में दिनांक 01 मई से 20 मई तक विद्यार्थियों हेतु समर कैंप का आयोजन किया जाएगा जिसकी पूर्व तैयारी हेतु 29 अप्रैल को एक पूर्व योजना का विद्यार्थियों और शिक्षकों के द्वारा सुझाव और कैंप के आयोजन के संबंध में विस्तृत कार्यक्रम योजना का बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कैंप के मुख्य आकर्षण संस्कृति के रंग, हमारी विरासत हमारी पहचान और खेल, हमारी अंतरात्मा से उपजी कहानियां तथा विद्यार्थी कौशल विकास के पहलुओं पर चर्चा कर कैंप का सार्थक रूप प्रदान करने हेतु कार्यक्रम प्रभारी श्वेता पाठक, वीणा शिवहरे, निशा ठाकुर तथा विद्यालय नेतृत्व ह्वद्वह्ल सुधा सालोमन, सुरेंद्र सिंह जामलिया, जीपी दायमा, विनोद तनेजा और शिक्षकों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई । जिससे विद्यार्थी समर कैंप में उत्साह से भाग लेकर उपलब्धियां हासिल कर सके ।

आत्मा योजनांतर्गत तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त कर कृषि को बनाया लाभ का व्यवसाय

नर्मदापुरम, निप्र। जिला नर्मदापुरम के विकासखंड बनखेड़ी के ग्राम तिंदवाड़ा के प्रगतिशील कृषक श्री गोपाल प्रसाद कुशवाहा, पिता श्री गोवर्धन कुशवाहा ने जैविक एवं प्राकृतिक कृषि तकनीकों को अपनाकर सब्जी उत्पादन विशेषकर ब्रोकली की खेती में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। आत्मा योजनांतर्गत तकनीकी मार्गदर्शन एवं बीज सहायता प्राप्त कर श्री कुशवाहा ने 1 एकड़ में ब्रोकली की खेती कर लगभग 4 लाख 11 हजार 500 का शुद्ध लाभ अर्जित किया। उन्होंने क्र्न्नद्ध की ग्रीन मैजिक किस्म के ब्रोकली बीज से खेती की, जिसमें कुल लागत 28 हजार 500 रही। उन्होंने खेत की तैयारी, जैविक खाद (गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट), छाछ व दशपर्णी अर्क का प्रयोग, और सीधे स्थानीय बाजार में विक्रय जैसी तकनीकों का उपयोग किया। 1 एकड़ में लगाए गए 12,000 पौधों से उन्हें कुल 110 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ, जिसका औसत बाजार मूल्य 40 रुपए प्रति किलो रहा।

महाराज अग्रसेन की 14वीं महाआरती 4 मई को

भोपाल, निप्र। अग्रकुल प्रवर्तक एवं अग्रवाल समाज के आराध्य देव भगवान अग्रसेन महाराज और कुलदेवी माँ लक्ष्मी की महाआरती- रविवार, दि. 04 मई को सायं 6 बजे प्रारम्भ आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने, भोपाल की जा रही हैं।

नितिन गुप्ता और विनीत अग्रवाल ने बताया कि माह के प्रथम रविवार को महाआरती करने का जो संकल्प लिया था वह निरंतर जारी है। अब तक तेरह महाआरती सम्पन्न हो चुकी है। भोपाल में नियमित आरती होने से अग्रवाल समाज में एकता, अखंडता के साथ ही भक्ति-भाव और समरसता का संचार हो रहा है। मुकेश गोयल ने बताया कि आरती के साथ साथ समाज में ओर भी अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जाने की योजना बनाई जा रही है जिनके माध्यम से समाज के लोगों को आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में लाभ मिले और सब मिलकर समाज सेवा और जनकल्याण के कार्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

मुकेश गोयल ने बताया कि चौदहवीं महाआरती की जजमानी अग्रवाल समाज अयोध्या बायपास रोड करोंद समिति भोपाल द्वारा की जा रही है। अधिक से अधिक संख्या में अग्रबंधु सपरिवार महाआरती में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करें।

पीएम कृषि सिंचाई योजना से गया प्रसाद पटेल ने सिंचाई संकट को किया खत्म

नर्मदापुरम, निप्र। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना किसानों की आय में वृद्धि और कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का एक प्रमाण बनी हुई है। यह योजना, हर खेत को पानी के दृष्टिकोण से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई के पानी की पहुँच सुनिश्चित करना है। क्क्रन्य्रस्ङ्घ न केवल सिंचाई के मौजूदा स्रोतों के कुशल उपयोग पर ध्यान केंद्रित करती है, बल्कि जल संरक्षण और सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को अपनाने को भी प्रोत्साहित करती है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का लाभ लेकर जिला नर्मदापुरम के विकासखंड पिपरिया अंतर्गत ग्राम खैरुआ के कृषक श्री गया प्रसाद पटेल ने सिंचाई की वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। श्री पटेल के पास कुल 8 एकड़ भूमि है, जिसमें वे मूंग (जायद), धान (खरीफ) एवं गेहूं (रबी) की खेती करते हैं। पटेल ने बताया कि पूर्व में वे बाढ़ विधि से सिंचाई करते थे, जिससे पानी की भारी मात्रा में बर्बादी होती थी, मिट्टी का कटाव होता था, तथा खाद-उर्वरक भी बह जाते थे। इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत आवेदन किया, जिसमें चयनित होने के बाद उन्हें 30 पाइप्स, 5 नोजल, 1-1 बैंड, तथा 2 एंडस्टॉप उपलब्ध कराए गए। इस सेट की कुल लागत 28 हजार 595 थी, जिसमें से उन्हें केवल 17 हजार 708 कृषक अंश के रूप में देना पड़ा।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा भोपाल- 462023 (म.प्र.) भोपाल से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9981502276, 27054436, 9826735596.भोपाल कार्यालय : 4240007. स्थानीय व्यवस्थापक श्याम अग्रवाल मो. नं. 9826735596 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।